■ श्रावण शुक्ल - 4 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 18 ■ अंक - 354 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 22-07-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मणिपुर जैसी दो घटनाएं पश्चिम बंगाल में हुईं : भाजपा का दावा

6 मणिपुर की घटना से सारा देश शर्मसार

7 एक महिला सब कुछ अकेले नहीं संभाल सकती : काजोल

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार 22 जुलाई को हमारे कार्यालय में अवकाश रहेगा। दक्षिण भारत राष्ट्रमत बेंगलूरु संस्करण 19वें और चेन्नई संस्करण 11वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। अगला अंक 24 जुलाई 2023 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

चौथी औद्योगिक क्रांति में प्रौद्योगिकी रोजगार की मुख्य प्रेरक शक्ति : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोजगार के आर्थिक और सामाजिक पहलुओं पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि दुनिया इस समय बड़े बदलावों की दहलीज पर खड़ी है तथा इनका सामना करने के लिए जवाबी एवं कारगर रणनीतियां तैयार करने की जरूरत है।

मोदी ने मध्यप्रदेश के इंदौर में आयोजित जी-20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक को वीडियो संदेश के माध्यम से सम्बोधित करते हुए कहा कि चौथी औद्योगिक क्रांति के इस युग में रोजगार की मुख्य प्रेरक-शक्ति प्रौद्योगिकी है और भविष्य में भी बनी रहेगी। उन्होंने प्रौद्योगिकी के कारण होने वाले बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि रोजगारों का सृजन करने में भारत की क्षमता बढ़ी है।

■ **नियमित काम के लिये अवसर पैदा करने के सतत समाधान खोजे जायें तथा सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिये नये तौर-तरीके तैयार किये जायें।**

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे परिवेश में यह बदलाव स्वतंत्र कामगारों और ठेके पर काम करने वालों तथा किसी एप्प या वेबसाइट के जरिये ग्राहकों के लिये काम करने वालों के नये वर्गों के पैदा होने के कारण संभव हुआ है। ये दोनों तरह की अर्थव्यवस्थायें महामारी के दौरान अस्तित्व में आई थीं। उन्होंने कहा कि यह लचीली व्यवस्था है और इससे आय के अतिरिक्त स्रोत मिलते हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था में लाभप्रद रोजगार पैदा करने, खासतौर से युवाओं के लिये रोजगार पैदा करने की अपार क्षमता है। इसके जरिये महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण में भी बदलाव लाया जा सकता है।

मोदी ने नये युग के इन कामगारों के लिये नये युग की नीतियां और योजनायें बनाने में अपनी क्षमता पहचानने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि नियमित काम के लिये अवसर पैदा करने के सतत समाधान खोजे जायें तथा सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिये नये तौर-तरीके तैयार किये जायें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में सामाजिक सुरक्षा के दायरे की सही तस्वीर समझने के लिये, सार्वभौमिक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, बीमा और पेंशन कार्यक्रमों के लाभों को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि हमें हर देश की अनोखी आर्थिक क्षमताओं, शक्ति और चुनौतियों को समझना होगा। हमें यह जानना होगा कि सबके लिये एकरूपी सोच सामाजिक सुरक्षा के अनवरत वित्तपोषण के लिये उपयुक्त नहीं है।

भारतीय रुपए में आपसी व्यापार करेंगे भारत-श्रीलंका

श्रीलंका में भी जल्द ही चलेगा भारत का यूपीआई

नई दिल्ली/वार्ता। भारत एवं श्रीलंका ने दीर्घकालिक आर्थिक साझीदारी के विज़न के आधार पर आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग समझौता (ईटीसीए) करने के साथ ही श्रीलंका में डिजीटल आर्थिक कनेक्टिविटी करके यूपीआई के क्रियान्वयन एवं द्विपक्षीय व्यापार भारतीय रुपये में करने का आज फैसला किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के बीच यहां हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय शिखर बैठक में ये निर्णय हुए। दोनों नेताओं ने एकांत में भी बातचीत की और एक साथ दोपहर का भोजन ग्रहण किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश सचिव विनय क्वात्रा एवं अन्य अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे। बैठक में दोनों देशों के बीच श्रीलंका में आर्थिक लेनदेन के लिए यूपीआई ऐप्लीकेशन की स्वीकार्यता के लिए एनआईपीएल और 'लंका पे' के बीच नेटवर्क टू नेटवर्क समझौता सहित परस्पर सहयोग के पांच करार पर हस्ताक्षर किये गये। अन्य समझौतों में पशुपालन एवं डेयरी, नवीकरणीय ऊर्जा एवं सामपुर सौर ऊर्जा संयंत्र, आर्थिक विकास की परियोजनाओं का क्रियान्वयन शामिल हैं। दोनों नेताओं ने भारत एवं श्रीलंका के बीच समुद्री, हवाई, ऊर्जा और जनता के बीच कनेक्टिविटी मजबूत बनाने के साथ पर्यटन, ऊर्जा, व्यापार, उच्च शिक्षा और कौशल विकास में आपसी सहयोग को गति देने की भी सहमति जताई। मोदी ने श्रीलंका में रहने वाले तमिल समुदाय के हितों को भी मजबूती से उठाया।

फर्स्ट टेक

गुढ़ा मंत्री पद से बर्खास्त

जयपुर/वार्ता। राजस्थान में सैनिक कल्याण राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा को मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार सायं गुढ़ा को बर्खास्त करने की राज्यपाल कलराज मिश्र से सिफारिश की थी जिसे राज्यपाल ने तुरंत स्वीकार कर लिया। उल्लेखनीय है कि गुढ़ा ने शुक्रवार को विधानसभा में न्यूनतम आय गारंटी विधेयक पर चर्चा के दौरान अपनी ही सरकार को महिलाओं की सुरक्षा करने में असफल बताया था। गुढ़ा पिछले कई दिनों से अपनी बयानबाजी के कारण चर्चा में बने हुए थे। गुढ़ा को अपनी ही सरकार के खिलाफ बयानबाजी के कारण मंत्री पद गंवाना पड़ा है।

वायु सेना दिवस इस बार प्रयागराज में मनाया जायेगा

नई दिल्ली/वार्ता। वायु सेना दिवस समारोह इस वर्ष उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित किया जायेगा तथा इस मौके पर वायु सेना के विमानों द्वारा किया जाने वाला एयर शो भी संगम किनारे होगा। वायु सेना ने शुक्रवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि उसके स्थापना दिवस की 91 वर्षगांठ आगामी 8 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मनायी जायेगी और इस अवसर पर विमानों की करतबबाजी का संगम क्षेत्र में प्रदर्शन किया जायेगा। यह कदम सशस्त्र सेनाओं के स्थापना दिवस देश के विभिन्न हिस्सों में मनाये जाने की नीति के अनुरूप उठाया गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 609.02 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 12.74 अरब डॉलर बढ़कर 609.02 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 596.28 अरब डॉलर रहा था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन वैश्विक घटनाओं के कारण पैदा हुए दबावों के बीच रुपए को संभालने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने से इसमें गिरावट आई।

सूर्यास्त 22-07-2023	सूर्योदय 23-07-2023
6:49 बजे	6:03 बजे

BSE	NSE
66,684.26	19,745.00
(-887.64)	(-234.15)

सोना	चांदी
6,178 रु.	77,524 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

सहकारिता आंदोलन के लिए पैक्स को मजबूत बनाने की जरूरत : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता की सबसे छोटी इकाई पैक्स को मजबूत बनाने पर शुक्रवार को जोर देते हुए कहा कि इससे ही सहकारिता को गांव स्तर पर सुदृढ़ किया जा सकता है। शाह ने आज प्राथमिक कृषि ऋण समितियों पैक्स द्वारा कॉमन सर्विस सेंटर सी एस सी की सेवाएं शुरू करने पर एक राष्ट्रीय महासंगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कहा कि पैक्स और सी एस सी के जुड़ने से सहकारिता को मजबूत करने व डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के दो संकल्प एक साथ पूरे हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर सहकारिता आंदोलन को मज़बूत बनाना है तो इसकी सबसे छोटी इकाई पैक्स को मज़बूत बनाना होगा। शाह ने कहा कि जब तक यह मज़बूत नहीं होते सहकारिता आंदोलन खड़ा नहीं हो सकता। इसलिए सरकार ने यह तय किया है कि पैक्स का कम्प्यूटरीकरण कर उन्हें पारदर्शी बनाया जाए, जवाबदेही सुनिश्चित की जाए और साथ ही उनका आधुनिकीकरण किया जाए ताकि सरकार की डिजिटाइज़्ड योजनाओं को पैक्स के साथ जोड़ा जा सके। शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय के गठन के 20 दिन के भीतर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पैक्स के कंप्यूटरीकरण के लिए 2,500 करोड़ रुपये प्रदान किए जिससे 65,000 पैक्स का कंप्यूटरीकरण हो रहा है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कहा कि न्यूनतम गवर्नमेंट,अधिकतम गवर्नेंस के साथ अतिम व्यक्ति तक भ्रष्टाचार रहित डिलीवरी के सूत्र को चरितार्थ करने का सी एस सी से बड़ा कोई और साधन नहीं हो सकता। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की 300 से अधिक छोटी छोटी लाभार्थी योजनाओं को सी एस सी के साथ जोड़ दिया गया है। शाह ने कहा कि इसकी पहुँच गाँव के गरीब से गरीब लोगों, भूमिहीन खेत मज़दूरों और दलित व आदिवासी समुदायों तक पहुँचाने के लिए पैक्स से बड़ा जरिया और कोई नहीं हो सकत।। साथ ही इससे हम देश के विकास के लिए अधिकतम क्षमता का उपयोग भी कर पाएंगे।

कल सुरक्षित रखने के लिए जल के महत्व को समझें : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/वार्ता। भूगर्भ जल के संरक्षण के लिए जनसहभागिता की वकालत करते गए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि आने वाले कल को सुरक्षित रखने के लिए सभी को जल के महत्व को समझना होगा।

योगी ने शुक्रवार को लोकभवन में आयोजित भूजल सप्ताह के समापन समारोह में कहा कि जल के बगैर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। ऐसे में जल के महत्व को समझना होगा ताकि आने वाला कल सुरक्षित रहे। प्रदेश सरकार ने भूगर्भीय जल के गिरते स्तर को सुधारने के लिए वर्ष 2019 में एक अधिनियम बनाया। इसके तहत एक निश्चित सीमा से ऊपर किसी भी भवन के निर्माण के लिए नक्शा पास करने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग की अनिवार्यता की गई। इसका यह परिणाम हुआ कि आज प्रदेश में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की संख्या बढ़ी है, जो हमारी भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। जल को बचाने के लिए प्रदेश में पर ड्रॉप मोर क्रॉप का अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 16 जुलाई से शुरू हुए भूजल सप्ताह कार्यक्रम का आज औपचारिक समापन हो रहा है, लेकिन वास्तव में शनिवार को वृहद वृक्षारोपण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। पूरे प्रदेश में वृक्षारोपण अभियान के तहत एक दिन में 30 करोड़ पौधे रोपित किए जाएंगे जबकि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पांच करोड़ वृक्षारोपण के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा। इसमें हम सबको बढ़चढ़कर अपनी भागीदारी करनी होगी।

देश के 13 करोड़ घरों में पहुंचा नल से जल : शेखावत

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि देश में 12.6 करोड़ से अधिक घरों को नल से जल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है और 64 प्रतिशत से अधिक गांव खुले में शौच से मुक्त घोषित किये गये हैं। शेखावत ने शुक्रवार को रूरल वाश पार्टनर्स फोरम-आरडब्ल्यूपीएफ के गठन की पहली वर्षगांठ पर यहां आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आरडब्ल्यूपीएफ के इस समारोह के माध्यम से 'स्वच्छ सुजल भारत की दिशा में प्रगति में तेजी लोने का काम किया जाएगा।

मणिपुर घटना के चारों आरोपी भेजे गए 11 दिन की पुलिस हिरासत में

इंफाल/भाषा। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उन्हें घुमाने के मामले के सभी चार आरोपियों को शुक्रवार को 11 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। ये गिरफ्तारियां 19 जुलाई को घटना का 26 सेकेंड का वीडियो सामने आने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को की गईं। पुलिस ने बताया कि आक्रोशित भीड़ ने शुक्रवार दोपहर को एक अन्य संदिग्ध के घर को जला दिया है। उसे अभी तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध का मकान थोउबल जिले के वांगजिंग में था। एक अधिकारी ने बताया, संदिग्ध को अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है। यह पता चलने पर कि पुलिस उसकी तलाश कर रही है, वह फरार हो गया।

आक्रोशित भीड़ ने शुक्रवार दोपहर को एक अन्य संदिग्ध के घर को जला दिया है।

दूसरे दिन भी नहीं चली लोकसभा

मानसून सत्र

नई दिल्ली/वार्ता। लोकसभा में मणिपुर में हिंसा को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों का भारी हंगामा शुक्रवार को भी जारी रहा, जिसके कारण सदन में कोई कामकाज नहीं हो पाया और सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल ने एक बार के स्थगन के बाद 12 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की विपक्षी सदस्य हंगामा करते हुए एवं नारे लगाते हुए सदन के बीचो-बीच आ गये। अग्रवाल ने जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाए, लेकिन इस दौरान भी सदस्यों का हंगामा जारी रहा।

आदिपुरुष के खिलाफ उच्च न्यायालय में लंबित कार्यवाही पर रोक लगाई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को विवादास्पद फिल्म आदिपुरुष के खिलाफ विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित कार्यवाही पर रोक लगा दी। महाकाव्य रामायण से प्रेरित आदिपुरुष की उसके संवादों और बोलचाल की भाषा के उपयोग के लिए आलोचना हो रही है। न्यायमूर्ति एस.के. कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने मामले में पक्षकारों को नोटिस जारी किया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 30 जून को फिल्म के निर्माताओं को 27 जुलाई को उसके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था और केंद्र सरकार से फिल्म पर अपने विचार देने के लिए एक समिति बनाने को कहा था। अदालत फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली कुलदीप तिवारी और नवीन धवन की अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने निर्देशक ओम राउत, निर्माता भूषण कुमार और संवाद लेखक मनोज मुंतशिर को 27 जुलाई को उसके समक्ष पेश होने का आदेश दिया था। इसने केंद्र सरकार को पांच सदस्यीय समिति गठित करने का भी निर्देश दिया है जो फिल्म पर अपनी राय देगी कि क्या इसने जनता की भावनाओं को आहत किया है।

ज्ञानवापी परिसर होगा एएसआई सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/वार्ता। उत्तर प्रदेश में वाराणसी की जिला अदालत ने शुक्रवार को हिंदू और मुस्लिम पक्ष के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद पूरे ज्ञानवापी परिसर के पुरातात्विक और वैज्ञानिक सर्वेक्षण की अपील स्वीकार कर ली है। जिला न्यायाधीश अजय कृष्ण विश्वेशा ने वज़ूखाना के कब्जे वाले क्षेत्र को छोड़कर पूरे ज्ञानवापी परिसर के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का आदेश दिया है, जहां शिवलिंग नुमा आकृति पाई गई थी। हिंदू पक्ष ने जिला न्यायाधीश से पूरे ज्ञानवापी परिसर के पुरातात्विक और वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने की अपील की थी, जिसे स्वीकार करते गए अदालत ने एएसआई सर्वेक्षण का आदेश दिया। सुनवाई की अगली तारीख चार अगस्त मुकर्रर की गई है।

मुस्लिम पक्ष के वकीलों ने इससे पहले पूरे ज्ञानवापी परिसर के एएसआई के सर्वेक्षण पर यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि परिसर के अंदर खुदाई से संरचनाओं को नुकसान हो सकता है।

पाकिस्तान के सिंध में

तीन हिन्दू बहनों का अपहरण कर धर्म परिवर्तन कराया, जबरन कराया विवाह

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में रहने वाले एक हिन्दू उद्यमी की तीन बेटियों का अपहरण कर उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया और फिर उनका विवाह मुसलमान पुरुषों के साथ करा दिया गया। देश में अल्संख्यकों के अधिकारों के लिए काम करने वाली एक शीर्ष संस्था ने यह जानकारी दी।

पाकिस्तान के दारेवार इतेहाद के प्रमुख शिव काची ने बताया कि घटना सिंध प्रांत के धारकी इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि हिन्दू उद्यमी लीलाराम की बेटियों- चांदनी, रोशनी और परमेश कुमारी का पहले अपहरण किया गया और फिर जबरन उनसे इस्लाम कबूल कराया गया। उन्होंने कहा, यह धर्म परिवर्तन पीर जावेद अहमद कादरी ने कराया और फिर उन लड़कियों का विवाह मुसलमान पुरुषों के साथ करा दिया गया।

काची ने बताया कि उनके संगठन के मंच से बार-बार अपील और अनुरोध करने के बावजूद हिन्दू लड़कियों का जबरन धर्म परिवर्तन लगातार जारी है और पुलिस तथा प्रशासन दोषियों को पकड़ नहीं रहा है। उन्होंने बताया कि तीनों बहनों का विवाह उनका अपहरण करने वाले पुरुषों के साथ कराया गया है। काची ने दावा किया कि सीमा हैदर से जुड़ी घटना के बाद से क्षेत्र में हिन्दू समुदाय पर हमले की घटनाएं बढ़ गई हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शर्मसार हम

हो रहे मनुज राक्षस फिर से,
संतों पर करते हैं प्रहार।
हो रहे नृशंस क्रूर पशुवत,
करते स्त्रियों से दुराचार।
हम किस युग में फिर आ पहुंचे,
आदिम जंगली सब संस्कार।
हे ईश्वर! दण्डित करो हमें,
हम सारे ही हैं शर्मसार।।

आक्रोश से धैर्य गुण का नाश होता है : साध्वी प्रियश्रेयांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रीतिसुधाश्रीजी की निश्रा में साध्वी प्रियश्रेयांजनाश्रीजी ने धर्मबिंदु ग्रंथ और अमरकुमार सुरसुंदरी चरित्र का वाचन करते हुए कहा कि अनादि काल से परिभ्रमण का मुख्य कारण अंतरंग शत्रु है, हम सभी बाह्य शत्रु के लिए ज्यादा पुरूषार्थ करते हैं, अगर हमारे परिभ्रमण को मिटाना है तो हमारे भीतर के शत्रु कषाय को मिटाना होगा।

कषाय = कष+आय, जो संसार की वृद्धि कराए, परिभ्रमण कराए। अकषायी मोक्ष में है, कषाय वाले संसार में हैं। कषाय है तब तक परिभ्रमण नहीं रुकने वाला, खिड़की खुली है तो कचरा आता रहेगा, वैसे ही कषाय की खिड़की खुली है तब तक आत्मा पर कर्म का कचरा आता रहेगा। अपेक्षा पूर्ण न हो तो क्रोध आ जाता है, आक्रोश से धैर्य गुण का नाश होता है।

साध्वीश्री प्रियमंत्रान्जनाश्रीजी ने कहा कि धर्म आत्म शक्ति को प्रबल बनाता है, जैसे गाड़ी के लिए पेट्रोल, लिखने के लिए पेन वैसे जीवन के लिए धर्म जरूरी है। धर्म की वज़ह से उत्तम कुल में जन्म मिलता है। छठे आरे में अगर जन्म होता तो हमे धर्म नहीं मिलता। छठे आरे में जन्म न हो उसके लिए विशेष धर्म आराधना करनी चाहिए। धर्म है तो पुण्य और पुण्य है तो अच्छी गति मे जन्म मिलता है।

अध्यात्म जीवन जीने की कला सिखाता है : साध्वी प्रियकल्पलताश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी की निश्रा में शिष्या प्रियकल्पलताश्री जी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि मानव जीवन बड़ा अमूल्य है। इसमें पूरे संसार का आध्यात्म भरा हुआ है, पर उसका आनंद तभी मिल सकता है जब परमात्मा महावीर द्वारा बताए गए जीवन जीने की कला को समझें। अध्यात्म जीवन जीने की कला सिखाता है, यह एक दिव्य विधा है। यह मनुष्य को हर दुख, कष्ट, विपत्ति और चिंता से छुटकारा दिलाकर आनंद से सराबोर करता है। मां-पिता के आशीर्वाद और उनकी दुआओं से ही जीवन फलता-फूलता है। केवल कुछ समय के लिए नहीं, बल्कि काल की सीमाओं से परे जाकर अनंत काल के लिए। अध्यात्म आत्मा का विज्ञान है। इसे कहीं बाहर नहीं खोजना है, बल्कि इसकी कुंजी हमारे अपने ही भीतर है। अध्यात्म का अर्थ है अपने मूल स्वभाव में आत्मा में लौटना जहां शांति, आनंद और स्थायी समाधान है। अध्यात्म तनावग्रस्त मन को शांति प्रदान करता है। अध्यात्म का संपूर्ण जोर इस बात पर है कि व्यक्ति अपनी मूर्छा से जागे और जान ले कि वह शुद्ध और सत्य है। शनिवार को श्री जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा मंडल द्वारा समत्वम डायबिटीज सेंटर के सौजन्य से शुगर और बीपी का परीक्षण किया जाएगा, जिसमें यह टेस्ट शनिवार को प्रातः 9:00 बजे से3 माह का एवरेज शुगर लेवल टेस्ट भी शामिल है।

आत्मप्रशंसा से बचना ही हमारी खुशी का द्वार : आचार्य अभयशेखरसूरी

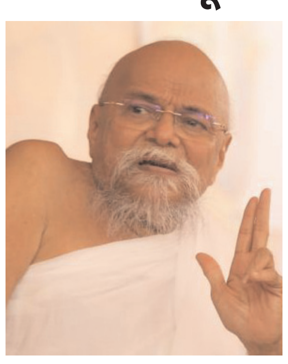

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी म.सा. ने कहा कि जिस प्रकार औषध लोगे लेकिन अपथ्य का त्याग नहीं करोगे तो औषध का फल नहीं मिलेगा। ठीक उसी तरह प्रभु महावीर ने आत्मा पर लगे कर्म नामक रोग की साधना रूप अनेक औषधि बताई है, लेकिन साथ ही अपथ्य त्याग करना जरूरी है तभी औषधि सफल होगी। आत्मप्रशंसा अपथ्य है। सुकृत द्वारा मिला पुण्य आत्मप्रशंसा की इच्छा और खुशी से नष्ट हो जाता है। अनादि काल के संस्कार के कारण हमें स्वयं की प्रशंसा अच्छी लगती है। प्रशंसा पाने के लिए हम दूसरे को अपनी साधना बताते हैं और जो हमारी प्रशंसा करते हैं वे व्यक्ति हमें अच्छे लगतें हैं। प्रशंसा पाने के लिए हमें चार काम करना चाहिए। पहला प्रशंसा पाने के लिए सत्कार्य। कोई भी कार्य करने के बाद प्रशंसा की शोध। अगर प्रशंसा नहीं हो रही है तो मुँह में अंगुली डाल कर प्रशंसा करवाते हैं और प्रशंसा का व्यसन लग जाता है।कोई प्रशंसा करे इसकी ख़ुशी नहीं चिंता होनी चाहिए।

केएससीए टी20 की नीलामी आज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मयंक अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मनीष पांडे और अभिनव मनोहर जैसे प्रमुख सितारों सहित कर्नाटक राज्य के 700 क्रिकेटरों पर शनिवार को महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 की नीलामी में बोली लगेगी। इस साल का टूर्नामेंट 14 से 30 अगस्त तक एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। मंगलूरु ड्रैगन्स और शिवमोग्गा लायंस टूर्नामेंट की नयी टीमें हैं। गत चैंपियन गुलबर्गा मिस्टिक्स, उपविजेता बेंगलूरु ब्लास्टर्स, मैसूरु वॉरियर्स और हुबली टाइगर्स सहित भाग लेने वाली टीमों की संख्या छह हो गयी है।

प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास नीलामी में 50 लाख रुपये खर्च कर सकेगी। उन्हें कम से कम 16 और अधिक से अधिक 18 खिलाड़ी खरीदने होंगे। खिलाड़ियों को चार श्रेणियों में बांटा जाएगा। श्रेणी-ए में जहां भारत और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के खिलाड़ी शामिल होंगे, वहीं श्रेणी-बी में विजय हजारे ट्रॉफी, रणजी ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जैसे बीसीसीआई राज्य टूर्नामेंट खेल चुके वरिष्ठ खिलाड़ी होंगे। श्रेणी सी में अन्य सभी बीसीसीआई टूर्नामेंट के खिलाड़ी शामिल होंगे, जबकि श्रेणी डी कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के सभी पंजीकृत खिलाड़ियों के लिये आरक्षित है।

महाराजा ट्रॉफी के आयुक्त और केएससीए के उपाध्यक्ष बीके संपत कुमार ने कहा, 'पिछला संस्करण जबरदस्त सफल रहा था। हमने देखा कि कई युवा खिलाड़ियों ने मौके का फायदा उठाया। हम कर्नाटक के और अधिक युवाओं को अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते देखना चाहते हैं।'

धर्म आचरण में लाने से होता है जीवन का कल्याण : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने धर्मबिंदु ग्रंथ के विषय में कहा कि जैसे डॉक्टर के पास जाते है, तब डाक्टर जो दवा देते है उसका सेवन करने, पथ्य का पालन करने से ही रोग दूर होज जाते है।

उस प्रकार ही धर्म को आचरण में लाने से ही जीवन का उद्धार होता है, धर्म आराधना से इहलोक में सुख-सुविधा मिलती ही है, परलोक में भी अच्छा कुल ऐश्वर्य-संपत्ति मिलती है।

जीवन को अच्छा बनाने के लिए धर्म को अपने आचरण में लाना है और नियम लेने से बहुत फायदे होते है ।

संसार में हर स्थान के अपने अपने नियम होते है, उसी प्रकार धर्म के नियमों का पालन करने से आत्म का कल्याण होता है। नरेन्द्र आच्छा ने बताया कि रविवार को महाप्रभावशाली भक्तामर स्त्रोत महाअनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है।

कषायों को कम करने हेतु पुरुषार्थ करना होगा : साध्वी प्रतिभाश्रीजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि सफेद रंग शांति, निर्मलता और सुरक्षा का प्रतीक होता है। डॉक्टर के कोट का रंग सफेद होता है वे लोगों की जान बचाते हैं। साधु-संत सफेद रंग के कपड़े पहनते हैं वे छहकाय के जीवों के रक्षक होते हैं। श्रावक लोग स्थानक में सफेद रंग के कपड़े पहनते हैं। हम अनादिकाल से इस संसार में चार कषाय के कारण घूम रहे हैं। अब हमें मनुष्य गति प्राप्त हुई है। हमें कषायों को कम करने हेतु पुरुषार्थ करना होगा। पुरुषार्थ करने से ही हम जन्म-मरण के इस चक्कर से मुक्ति प्राप्त कर सकते हैं। आज व्यक्ति दिखावे में तथा होड़ाहोड़ी में अंधाधुन्ध खर्च कर रहा है। खर्च करते समय अपनी आय को ध्यान में न रखते हुए कर्जा भी ले लेता है और कर्जदार कई बार जानते अनजाने में अनहोनी का शिकार भी हो रहा है। अतः मानसिक व पारिवारिक शांति के लिए किसी को कभी भी कर्ज लेकर खर्च नहीं करना चाहिए। इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने कहा कि आत्मा अनादि काल से कर्म के कारण इस संसार के चक्रव्यूह में फंसी हुई है। आठ कर्मों में से एक कर्म है अंतराय कर्म। अंतराय का अर्थ है विघ्न अथवा बाधा पहुंचाना। अगर हम किसी को विघ्न या बाधा पहुंचाते हैं तो हमें भी अपने इस जीवन में या अगले जीवन में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

धर्म ही मनुष्य जीवन की सार्थकता: संत रामप्रकाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सीरवी समाज कर्नाटक ट्रस्ट बलेपेट भवन में गुरुवार चातुर्मास विराजित रामप्रकाशजी ने शिव महापुराणकथा का श्रवण करवाते हुए कहा कि संसार धर्म पर ही प्रतिष्ठित है। धर्म ही जीवन का सार्थकता है। धर्म ही मनुष्य को पापों से बचाकर उन्नत जीवन में प्रवेश करता है। धर्महीन मनुष्य चंचल हो जाता है।

जितेंद्रिय, धीर, वीर, साहसी, संयमी और कर्तव्यपरायण बनने में धर्म सहायक होता है। भगवान शंकर विश्वास के प्रतिरूप है और मां पार्वती श्रद्धा की प्रतिरूप है। श्रद्धा और विश्वास के मिलने से ही पुरूषार्थ जन्मता है। इस कथा में संस्था के सचिव अमराराम चोयल ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। शुक्रवार को कार्यक्रम के आरती व प्रसाद के लाभार्थी नगाराम, नेमाराम, भंवरलाल, दिनेश देवड़ा रहे। इस अवसर पर वडेर के अध्यक्ष हरिराम गेहलोत, उपाध्यक्ष अन्नाराम परिहारिया, सहसचिव भंवरलाल गेहलोत, कोषाध्यक्ष मोतीराम लचेटा, राजूराम, पूर्व सचिव ओमप्रकाश बर्फा, रूपाराम राठौड़, सांस्कृतिक कमेटी के अध्यक्ष कमलकिशोर काग एवं देवासी समाज के पदाधिकारी मौजूद थे।

प्राइम-डे सेल से प्राइम सदस्यों को 300 करोड़ की बचत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन डॉट इन पर प्राइम डे सेल के दौरान प्राइम सदस्यों को 300 करोड़ की बचत हुई क्योंकि हजारों विक्रेता, ब्रांड और बैंक भागीदार प्राइम मैंबरों के लिए बड़ी बचत की पेशकश करने के लिए एक साथ आए थे। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि प्राइम डे का 7वां संस्करण अब तक का सबसे बड़ा प्राइम डे इवेंट साबित हुआ है। 15-16 जुलाई को प्राइम डे 2023 ने प्राइम मैंबरों को शानदार डील्स, नए लॉन्च और ब्लॉक बस्टर मनोरंजन के माध्यम से इस मौके का भरपूर आनंद उठाने में मदद की है। इस प्राइम डे पर हजारों विक्रेता, ब्रांड और बैंक भागीदार प्राइम मैंबर्स को लगभग 300 करोड़ रुपये की बड़ी बचत की पेशकश करने के लिए एक साथ आए थे।

उसने कहा कि प्राइम मैंबरों ने इस प्राइम डे पर सबसे तेज़ डिलीवरी का आनंद लिया। इस दौरान ग्राहकों को एक ही दिन में सबसे अधिक डिलीवरी प्राप्त हुई। महानगरों में 3 में से 1 ऑर्डर प्राइम डे ख़त्म होने से पहले डिलीवर किया गया था, और अधिकांश टियर 1 और 2 शहरों में 2 में से 1 ऑर्डर दो दिनों से भी कम समय में डिलीवर किया गया था। इस प्राइम डे इवेंट में प्राइम मेंबरशिप में जोरदार वृद्धि देखी गई और पिछले साल के प्राइम डे इवेंट की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक सदस्यों ने खरीदारी की।

यातायात जागरूकता कार्यक्रम में 300 विद्यार्थियों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने ऑक्सफोर्ड कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के सहयोग से कॉलेज के सामने यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रवीण पांडेय ने यातायात जागरूकता और यातायात सुरक्षा पर प्रजेन्टेशन देते हुए कहा कि गाड़ी चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट अवश्य पहनना चाहिए। अनावश्यक रूप से हॉर्न बजाने, शराब पीकर गाड़ी चलाने से बचना चाहिए।

उन्होंने यातायात नियमों व चिन्हों के बारे में भी जानकारी दी तथा साथियों के साथ मिलकर बोम्मनहल्ली सिग्नल पर जागरूकता मार्च निकाला। इस मौके पर संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित थे। कॉलेज के प्रोफेसर धर्मवीर ने बताया कि जागरूकता सत्र और जागरूकता मार्च में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। मडिवाला ट्रैफिक थाने के दो पुलिस अधिकारी चन्द्रगौड़ा व राहुल डीएस ने विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी तथा यातायात सुरक्षा के बारे में शिक्षित किया। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने पुलिस अधिकारियों व कॉलेज के प्रोफसरों के सहयोग के लिए उनका धन्यवाद दिया।

सिद्दरामैया के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर 28 को होगी सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा है कि वह वरुणा विधानसभा क्षेत्र से मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर 28 जुलाई को सुनवाई करेगा। इस याचिका में कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र को आधार बनाते हुए सिद्दरामैया को अयोग्य घोषित करने का आग्रह किया गया है।

केएम शंकर की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में पांच 'गारंटियों' का वादा किया गया था, जो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123(2) के तहत रिश्वतखोरी और अनुचित प्रभाव के समान 'भ्रष्ट आचरण' है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सिद्दरामैया ने संविधान के प्रावधानों और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत नियमों एवं दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया है।

इसमें दावा किया गया है कि उक्त गारंटी उम्मीदवार और कांग्रेस द्वारा किए गए प्रस्ताव तथा वादों की प्रकृति में हैं और यह प्रतिवादी (सिद्दरामैया) की सहमति से किया गया था।

वरुणा निर्वाचन क्षेत्र के निवासी के. एम शंकर की ओर से दायर चुनाव याचिका सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति एस सुनील दत्त यादव की एकल पीठ के समक्ष आई। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सिद्दरामैया हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव अवधि के दौरान भ्रष्ट आचरण में लिप्त थे। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को उचित दस्तावेज दायर करने का निर्देश देने के बाद सुनवाई स्थगित कर दी।

तीन मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

मंगलूरु। मंगलूरु में शहर अपराध शाखा (सीसीबी) पुलिस ने शुक्रवार को मादक पदार्थ के तीन तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके पास से नौ लाख रुपये मूल्य का एमडीएमए और एक पिस्तौल जब्त की गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान फरंगीपेटे के मोहम्मद नियास (28) तलापडी के निशाद (31) और पाडिल के मोहम्मद रजिन (24) के रूप में हुई है।

इन तीनों को मंगलूरु तालुक में पिलिकुरु के पास दो कारों में एमडीएमए मादक पदार्थ ले जाते समय गिरफ्तार किया गया। शहर पुलिस आयुक्त कुलदीप कुमार आर जैन ने बताया कि आरोपियों के पास से नौ लाख रुपये मूल्य का 180 ग्राम एमडीएमए, दो कारें, 1.40 लाख रुपये मूल्य के चार मोबाइल फोन, 22,050 रुपये नकद, एक पिस्तौल, एक कारतूस, एक बड़ा चाकू और दो डिजिटल वजन मशीनें बरामद की गईं जिनकी कुल कीमत 27.62 लाख रुपये है।

पूर्वोत्तर के राज्य जीएसटी संग्रह, हस्तांतरण के सफल उदाहरण : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को यहां कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संग्रह और हस्तांतरण का सफल उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि राज्य वित्त पर आरबीआई की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार पूर्वोत्तर के आठ राज्यों ने जीएसटी में 27.5 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर्ज की है।

सीतारमण केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अधिकारियों और कर्मचारियों के एक कार्यक्रम में बोल रही थीं। इस कार्यक्रम का आयोजन विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार देने के लिए किया गया था।

मंत्री ने कहा कि असम जीएसटी अधिनियम पारित होने के चार दिन बाद इसकी पुष्टि करने वाला पहला राज्य था और तब से कर संग्रह में 12 गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, जीएसटी इस बात का प्रतीक है कि आजादी के बाद भारत एक ऐसी संवैधानिक व्यवस्था बनाने की दिशा में क्या कर सकता है, जिसके तहत केंद्र और राज्य न सिर्फ राजस्व संग्रह के लिए मिलकर काम करेंगे, बल्कि अर्जित धन का हस्तांतरण एक स्वीकार्य फॉर्मूले के तहत किया जाएगा।

सीतारमण ने कहा कि असम ने एक राष्ट्र-एक कर के लाभ और महत्व को महसूस किया, जिसके कारण उसके राजस्व संग्रह में कई गुना वृद्धि हुई है।

जीएसटी लागू होने से पहले असम का बिक्री कर संग्रह 558.26 करोड़ रुपए था, लेकिन अब यह कई गुना बढ़कर 7,097 करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने कहा कि सिक्किम और मेघालय ने भी महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। सिक्किम का कर संग्रह 263.5 करोड़ रुपए से बढ़कर 3,036 करोड़ रुपए और मेघालय का कर संग्रह 587.21 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,078 करोड़ रुपए हो गया है।

सीतारमण ने कहा, जीएसटी से कर प्रणाली में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है, जिससे न केवल राज्यों को बल्कि आखिरकार आम लोगों को भी फायदा हुआ है।

पूर्वोत्तर के राज्यों की सीमाएं चार देशों के साथ लगती हैं और यहां 25 भूमि सीमा शुल्क स्टेशन (एलसीएस) चालू हैं। इनमें से केवल 15 में इलेक्ट्रॉनिक सुविधाएं हैं। उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि दिसंबर तक शेष एलसीएस में भी इलेक्ट्रॉनिक सुविधाएं होनी चाहिए, ताकि तस्करी को रोका जा सके।

वित्त मंत्री ने कहा, पूर्वोत्तर से तस्करी चिंताजनक हो गई है, क्योंकि पहले ज्यादातर सोने और गांजे की तस्करी होती थी, लेकिन अब इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में रासायनिक और कृत्रिम दवाएं आ रही हैं। अधिकारी इनका पता लगाने में सक्षम हैं, लेकिन अभी और काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सीबीआईसी के लिए यह कोई बड़ी चुनौती नहीं है, क्योंकि अतीत में उन्होंने विभिन्न परिवर्तनों से निपटने में अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने तेलंगाना भाजपा प्रमुख का कार्यभार संभाला

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने हैदराबाद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी उस समय तक आराम से नहीं बैठेगी, जब तक राज्य की बीआरएस सरकार को चुनावी तौर पर दफन नहीं कर दिया जाता। रेड्डी ने करीमनगर से लोकसभा सदस्य बंडी संजय कुमार का स्थान लिया है। रेड्डी ने कार्यभार संभालने के बाद पार्टी की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को हराने के लक्ष्य के साथ एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व का मानना है कि तेलंगाना उन दक्षिणी राज्यों में से एक है जहां भाजपा के सत्ता में आने की संभावना है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) का जिक्र करते हुए रेड्डी ने आरोप लगाया कि नया निजाम और उनका परिवार सोचता है कि वे तेलंगाना के मालिक तथा राजा हैं और वे सोचते हैं कि राज्य को उनकी संतानों के प्रति भी वफादार होना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं संजय और अन्य नेताओं के साथ मिलकर काम करूंगा और तब तक आराम से नही बैठूंगा, जब तक बीआरएस सरकार को राज्य की सत्ता से हटा नहीं दिया जाता।

विभिन्न चुनावी वादों को लेकर चंद्रशेखर राव सरकार पर सवाल उठाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खेल शुरू हो गया है और तेलंगाना के लोग बीआरएस को हराने के लिए भाजपा के नेतृत्व में लड़ेंगे। विपक्षी दलों के गठबंधन बनाने के प्रयासों पर निशाना साधते हुए उन्होंने दावा किया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2024 के आम चुनावों में एक बार फिर जीत हासिल करेंगे और फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।

शुक्रवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने राज्य के सभी दुग्धसंघों और केएमएफ अध्यक्षों की बैठक ली। बैठक में केएमएफ अध्यक्ष भीमा नायका, सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना, पशुपालन मंत्री के. वेंकटेश सहयोग विभाग के महासचिव एन. मंजूनाथ प्रसाद, पशुपालन विभाग की सचिव सलमा फहीम, केएमएफ के प्रबंध निदेशक जगदीश, केएमएफ के निदेशक एचडी रेवन्ना, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, मालूर विधायक नानजे गौड़ा और अन्य ने भाग लिया।

आतंकवादियों पर कर्नाटक के गृह मंत्री के बयान से मचा बवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर के पांच संदिग्ध आतंकवादियों की गिरफ्तारी के संबंध में बयान से राज्य में विवाद छिड़ गया है। परमेश्वर ने कहा था कि विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बनाने के आरोप में गिरफ्तार किए गए संदिग्ध व्यक्तियों को आतंकवादी नहीं कहा जा सकता। उन्होंने गिरफ्तारियों के बाद कहा, कोई उन्हें अभी आतंकवादी नहीं कह सकता और उन्हें आरोपी व्यक्ति ही कहा जाना चाहिए।

सिटी क्राइम ब्रांच (सीसीबी) पुलिस ने शहर से पांच संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था क्योंकि वे शहर के विभिन्न हिस्सों में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। पांच संदिग्ध आतंकवादियों की गिरफ्तारी की जांच में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के साथ संबंधों का खुलासा हुआ है। आरोपियों ने सरगना मोहम्मद जुनैद के अफगानिस्तान सीमा क्षेत्र में बैठकर आतंकी मॉड्यूल संचालित करने की भी जानकारी दी है।

हिंदू कार्यकर्ताओं और भाजपा ने आतंकवादी संदिग्धों पर श्री परमेश्वर के नरम बयानों की आलोचना की है। भाजपा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर आतंकवादियों को क्लीन चिट देने की कोशिश को लेकर गृह मंत्री से सवाल किया। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने गुरुवार को गृहमंत्री से सवाल किया,प्रथम दृष्टया सबूत के बावजूद गृह मंत्री ने गिरफ्तार पांच संदिग्ध आतंकवादियों को क्लीन चिट क्यों दी?

एमएलसी एवं पूर्व मंत्री कोटा श्रीनिवास पुजारी ने भी परमेश्वर की टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की थी। पुजारी ने कहा,आतंकवादी संदिग्धों की गिरफ्तारी के बाद कर्नाटक के गृह मंत्री की टिप्पणियाँ आश्चर्यजनक हैं और चिंता भी पैदा करती हैं। गृह मंत्री का कहना है कि इस स्तर पर आरोपियों को आतंकवादी करार देना संभव नहीं है। सारे सबूत मिल गए हैं। विदेशी संबंध भी स्थापित हो गए हैं। बेंगलूरु में संभावित बम हमले को लेकर जनता मनोविकृति के डर से डरी हुई है और इस समय गृह मंत्री परमेश्वर का कहना है कि गिरफ्तार किए गए लोगों को आतंकवादी कहना जल्दबाजी होगी। यह सरासर मजाक है। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या ये आपके पोते हैं?

उन्होंने कहा कि सरकार को आतंकवादियों के खिलाफ बेरहमी से कार्रवाई करनी चाहिए। पुलिस को आजादी दी जानी चाहिए और अगर नहीं दी गई तो भाजपा सरकार के खिलाफ कड़ा आंदोलन करेगी।

जब पत्रकारों ने शहर के पुलिस आयुक्त बी दयानंद के बयान को गृहमंत्री के संज्ञान में लाया, जिसमें उन्हें लश्कर-ए-तैयबा से संबंध रखने वाला बताया गया था, उन्होंने (गृहमंत्री) ने अपना बयान वापस ले लिया। उन्होंने कहा, हां। मैं अपना बयान सही करूंगा। इसलिए सबूतों की कमी है, मैंने शुरुआती बयान दिया था और आज हमें चार हथगोले मिले हैं। इसलिए, स्वाभाविक रूप से वे आतंकवादी समूह से जुड़े हुए हैं। वे किस समूह से जुड़े हैं, हम पता लगाएंगे।

गारंटी योजनाओं के लिए 35410 करोड़ रु. की जरूरत : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि राज्य में गारंटी योजनाओं से लोग खुश हैं। योजनाओं के लिए 35410 करोड़ रुपये की जरूरत है और बजट में संसाधन जुटाने की भी कार्रवाई की गयी है। वो विधान परिषद में बजट पर चर्चा का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि गारंटी योजनाओं के लिए 34,654 करोड़ रुपये के संसाधन जुटाए जाएंगे, जिसमें 13500 करोड़ अतिरिक्त कर संग्रह, 8068 करोड़ रुपये का अतिरिक्त ऋण, पूंजी निवेश की पुन: प्राथमिकता के माध्यम से 6086 करोड़ रुपये और राजस्व परियोजनाओं की पुन: प्राथमिकता के माध्यम से 7000 करोड़ रुपये शामिल हैं। ये गारंटी योजनाएं विकसित देशों में यूनिवर्सल बेसिक इनकम कार्यक्रमों से प्रेरित हैं। 90 प्रतिशत लोग कर चुकाते हैं और 10 प्रतिशत लोग कर लाभ का आनंद लेते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संसाधनों के उचित वितरण के उद्देश्य से गारंटी योजनाएँ लागू की गई हैं।

राज्य का बजट आकार 326,747 करोड़ रुपये है, जो 2022-23 के बजट आकार से 22 प्रतिशत अधिक है। राजकोषीय घाटा 2.6 प्रतिशत है, ऋण दर जीएसडीपी का 22 प्रतिशत है। इसलिए हमारी सरकार ने राजकोषीय उत्तरदायित्व अधिनियम के तहत राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने के लिए दो मानदंडों का पालन किया है। इस बार गारंटी योजनाओं के कारण 15,523 करोड़ रुपये के घाटे का बजट पेश किया गया। पिछले वर्षों की तुलना में घाटा कम हुआ है। अगली बार राजस्व अधिशेष बजट पेश करने का पूरा प्रयास किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य आर्थिक रूप से दिवालिया नहीं है।

हमारी सरकार अपने वादों को पूरा करने के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रही है। बजट में गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन के साथ घोषणापत्र में उल्लेखित 76 कार्यक्रमों की घोषणा की गई है। शक्ति योजना के तहत हर दिन करीब 50 लाख महिलाएं नि:शुल्क बस यात्रा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक कुल 23 करोड़ यात्रियों ने इस सुविधा का लाभ उठाया है। उन्होंने कहा कि गृह ज्योति योजना के तहत 1.16 करोड़ परिवार पहले ही पंजीकरण करा चुके हैं। एक जुलाई से 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त खाद्यान्न उपलब्ध नहीं कराया गया है। उन्होंने आगे कहा कि गृह लक्ष्मी योजना के लिए सालाना 32000 करोड़ रुपये और चालू वर्ष के लिए 18,000 करोड़ रुपये की जरूरत है। युवा निधि योजना दिसंबर माह से शुरू होने की उम्मीद है। बेरोजगार युवाओं के कौशल विकास पर भी जोर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर याद दिलाया कि राज्य में कौशल विकास के लिए एक अलग विभाग उनकी सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार के बिटकॉइन घोटाला, पीएसआई भर्ती घोटाला, कोविड उपकरण/दवा खरीद घोटाला आदि की जांच शुरू हो चुकी है।

बीजेपी-जेडी(एस) ने हाथ नहीं मिलाया है : देवेगौड़ा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। पूर्व प्रधानमंत्री और जद(एस) सुप्रीमो एच.डी. देवेगौड़ा ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि भाजपा और उनकी पार्टी ने हाथ नहीं मिलाया है और कहा कि यह मानना गलत है कि दोनों दलों ने गठबंधन किया है। गुरुवार रात यहां एक निजी समारोह को संबोधित करते हुए देवेगौड़ा ने कहा कि भाजपा ने उनके बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी द्वारा उठाए गए मुद्दे को लिया है।

चन्नापटना में, कुमारस्वामी ने राजनेताओं के स्वागत के लिए आईएएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की निंदा की। बाद में उन्होंने इस बारे में ट्वीट भी किया था। इस मुद्दे पर बीजेपी ने विरोध भी जताया था। आइए इस बिंदु पर विलय की कहानी न बनाएं। भाजपा के पास अधिक विधायक हैं और इसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। कुमारस्वामी के ट्वीट के बाद बीजेपी ने मोर्चा संभाल लिया, तो वह विरोध में शामिल हो गए। जद (एस) सुप्रीमो ने कहा, कृपया उनके (कुमारस्वामी) साथ भाजपा का कोई और संबंध न बनाएं।

देवेगौड़ा का स्पष्टीकरण दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की अफवाहों के बीच आया है, साथ ही कुमारस्वामी के विपक्ष के नेता बनने की अफवाहें भी फैल रही हैं।

दस विधायकों के निलंबन पर फूटा भाजपा का गुस्सा

जेडीएस के साथ विधानसभा कार्यवाही का किया बहिष्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा के सभापति द्वारा भाजपा के दस विधायकों को निलंबित करने के विरोध में शुक्रवार को भाजपा और जेडीएस ने विधानसभा कार्यवाही का बहिष्कार किया। गुरुवार को भी भाजपा ने विरोधस्वरूप विधानसभा कार्यवाही का विरोध किया था। गौरतलब है कि कर्नाटक विधानसभा का सत्र तीन जुलाई से शुरू हुआ था और शुक्रवार को विधानसभा सत्र की कार्यवाही का आखिरी दिन था। भाजपा विधायकों ने विधानसभा परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा के सामने बैठकर स्पीकर और सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया गौरतलब है कि बुधवार को विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। भाजपा विधायकों ने सदन में हंगामा कर रहे और बिल की प्रतियों को फाड़कर प्रदर्शन कर रहे दस भाजपा विधायकों को बाकी सत्र से निलंबित कर दिया। जिन विधायकों को निलंबित किया गया, उनमें सीएन अश्वथ नारायण, वी सुनील कुमार, आर अशोक, अरगरा जनेंद्र, डी वेदव्यास कामत, यशपाल सुवर्णा, धीरज मुनिराजू, ए उमानाथ कोटियन, अरविंद बेलाद और वाई भरत शेट्टी शामिल हैं। भाजपा जेडीएस का आरोप है कि कांग्रेस सरकार ने बेंगलूरु में हाल ही में हुई विपक्ष की बैठक के लिए 30 आईएएस अधिकारियों की तैनाती की थी। इसे लेकर भाजपा जेडीएस ने विरोध दर्ज कराया, जिससे सदन में कार्यवाही के दौरान हंगामा हो गया। भाजपा ने विधानसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया

बजरंग दल के तीन कार्यकर्ताओं के खिलाफ कर्नाटक पुलिस का बड़ा एक्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस मंगलूरु शहर और आसपास के इलाकों में मोरल पुलिसिंग की घटनाओं को लेकर कड़े एक्शन के मूड में है। इन घटनाओं में शामिल दक्षिण कन्नड़ जिले के तीन बजरंग दल कार्यकर्ताओं के खिलाफ निर्वासन का आदेश जारी करने की तैयारी है। इसकी पुष्टि सूत्रों ने शुक्रवार को की। पुलिस सूत्रों ने कहा कि बजरंग दल के तीन कार्यकर्ताओं को पहले ही नोटिस भेजकर पूछा गया है कि उनकी अवैध गतिविधियों और समाज में अशांति पैदा करने की कोशिश के चलते क्यों नहीं उन्हें निष्कासित कर दिया जाए। इस संबंध में नामों और अन्य विवरणों की घोषणा अभी बाकी है।

कार्यकर्ताओं को शुक्रवार को मंगलूरु में डीसीपी, कानून-व्यवस्था प्रभाग के कार्यालय में बुलाया गया। पुलिस सूत्रों ने कहा कि समाज में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और मोरल पुलिसिंग की घटनाओं पर संदेश देने के लिए उन्हें निर्वासन आदेश दिया जाएगा। पुलिस ने कहा कि बजरंग दल कार्यकर्ताओं को एक साल की अवधि के लिए निर्वासित किया जाएगा। स्थानीय पुलिस ने इस संबंध में कार्यकर्ताओं पर सुल्तान गोल्ड ज्वेलरी स्टोर्स पर उत्पात मचाने की घटनाओं में शामिल होने और मुरोली में होली त्योहार के जश्न के दौरान उनके हंगामे के संबंध में एक रिपोर्ट दी थी।

अल्पसंख्यक समुदाय के एक लड़के पर 6 दिसंबर, 2022 को सुल्तान गोल्ड ज्वेलरी स्टोर्स पर एक समूह द्वारा कथित तौर पर ज्वेलरी स्टोर में काम करने वाली एक लड़की के साथ संबंध रखने के कारण हमला किया गया था। घटना को लेकर दोनों तरफ से शिकायत दर्ज करायी गयी थी। पीड़ित लड़की का सहकर्मी था और माता-पिता को संदेह था कि लड़के ने उनकी बेटी को प्रेम जाल में फंसाया है। घटना के सिलसिले में बजरंग दल के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

दूसरी तरफ मार्च 2023 में मुरोली में आयोजित होली कार्यक्रम 'रंग दे बरसा' में बजरंग दल के सदस्यों ने घुसकर परिसर में तोड़फोड़ की थी। जब हमला हुआ तो लड़के और लड़कियां पार्टी कर रहे थे। एक-दूसरे पर रंग डाल रहे थे। कार्यकर्ताओं ने दावा किया था कि लड़कों ने अभद्र व्यवहार किया। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई थी कि दूसरे धर्म के लड़के होली का त्योहार मना रहे हैं। इस मामले में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया था।

नाबालिग से यौन उत्पीड़न के आरोप में कॉलेज प्रिंसिपल गिरफ्तार

शिवमोग्गा/दक्षिण भारत। कर्नाटक पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि शिवमोग्गा जिले के एक कॉलेज के प्रिंसिपल को एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। घटना कोट पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई और पीड़ित परिवार ने मामले के संबंध में शिकायत दर्ज कराई है।

आरोपी पर पॉक्सो अधिनियम और अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रिंसिपल, जो एक पुजारी भी है, अपने शिक्षण कौशल के कारण छात्रों द्वारा काफी पसंद किया जाता था। इसी का फायदा उठाकर वह 17 साल की पीड़िता को अपने जाल में फंसाने में कामयाब हो गया। पुलिस ने कहा कि पीड़िता ने बुधवार रात अपने छात्रावास के कमरे में आत्महत्या करने का प्रयास किया।

भाजपा के साथ गठबंधन करेगी जेडीएस : कुमारस्वामी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक में बीजेपी और जनता दल (एस) के बीच गठबंधन की तस्वीर साफ हो गई है। जेडीएस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने ऐलान किया कि उनकी पार्टी बीजेपी की सहयोगी बनेगी और कांग्रेस के खिलाफ मिलकर काम करेगी। पिछले कई दिनों से कर्नाटक में बीजेपी और जेडीएस के साथ आने की अटकलें लग रही थीं। हालांकि जेडीएस सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने शुक्रवार को ही कहा था कि दोनों पार्टियों ने हाथ नहीं मिलाया है। हाल ही में कुमारस्वामी ने कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के विरोध में बीजेपी का समर्थन किया था। दरअसल बेंगलूरु में विपक्ष की बैठक के दौरान 30 आईएएस अधिकारियों की तैनाती का मुद्दा बीजेपी ने विधानसभा में उठाया था। इसके बाद 10 विधायकों को सस्पेंड कर दिया गया था।

सिद्दरामैया ने तंज कसा

विश्वगुरु को कर्नाटक में विपक्ष का नेता नहीं मिल रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए विपक्षी भाजपा पर तंज कसा कि वे 'विश्वगुरु' की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन वह राज्य में विपक्ष का नेता चुनने में असमर्थ हैं। विधानसभा में राज्य के बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, लोगों ने विश्वगुरु को सिखाया है कि केवल भाषणों से लोगों की समस्याएं हल नहीं हो सकतीं। उन्होंने कहा, 15वें वित्त आयोग से राज्य को भारी नुकसान उठाना पड़ा। हमें अपने हिस्से का 5,495 करोड़ रुपये नहीं मिला, जो हमें केंद्र सरकार से मिलना था। राज्य से निर्वाचित वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अन्याय किया। राज्य के सांसदों को इस पर सवाल उठाना चाहिए था। प्रदेश भाजपा नेताओं, मुख्यमंत्रियों को सवाल करना चाहिए था, लेकिन जब वे मोदी के सामने खड़े होते हैं तो कांपते हैं।

उन्होंने भाजपा पर एक दलित उपसभापति के साथ 'बेहद असभ्य तरीके' से व्यवहार करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हम कल्पना भी नहीं कर सकते कि अगर मार्शल वहां नहीं होते तो क्या होता। मुझे नहीं पता कि वे उस पर हमला कर सकते थे या नहीं। हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं।

सिद्दरामैया ने यह भी कहा कि जब वह बजट बनाने बैठते हैं तो उन्हें बुद्ध, बसव, महात्मा गांधी, अंबेडकर, नारायणगुरु, कुवेम्पु याद आते हैं। उन्होंने कहा, उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट तैयार करना मेरी प्रतिबद्धता है। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने सामाजिक स्वतंत्रता के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता की प्रासंगिकता पर सवाल उठाया था। इसलिए उन्होंने दावा किया था कि राजनीतिक नेतृत्व की नींव सामाजिक नेतृत्व में होनी चाहिए। बसवन्ना ने इसका महत्व बताया। मैंने इन सभी दिग्गजों के विकास मॉडल का अनुसरण किया है और विकास समर्थक बजट पेश किया है।

सिद्दरामैया ने कहा, हमने चुनाव के दौरान किए गए वादों को बजट में शामिल किया है। हमने धन आवंटित कर दिया है और पांच में से 4 गारंटी पहले ही लॉन्च कर दी हैं। हमने जो वादा किया था, उसे पूरा किया है। भाजपा ने कहा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास', लेकिन उन्होंने उसके अनुसार कार्य नहीं किया। इसलिए भाजपा का ओछापन, गैरजिम्मेदारी और फर्जी मानसिकता प्रदेश की जनता के सामने उजागर हो गई। भाजपा गुजरात मॉडल का दावा कर रही थी, लेकिन अब वे विकास के कर्नाटक मॉडल से डर गए हैं, जिसमें गारंटी योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा, कामकाजी लोगों की जेब में पैसा होना चाहिए। उनकी जेब में पैसा डालना कर्नाटक मॉडल है और लोगों की जेब से पैसा छीनना गुजरात मॉडल है।

सिद्दरामैया ने कहा, 'उन्होंने गुजरात मॉडल में पेन, पेंसिल, बिस्किट, मक्खन, मुरमुरे आदि पर कर लगाया। कर्नाटक मॉडल में ऐसी योजनाएं हैं जो प्रत्येक परिवार के लिए प्रति माह 6,000 से 8,000 रुपये बचाती हैं। हर दिन राज्य के लोग हमारी गारंटी योजनाओं से लाभान्वित होते हैं।

कृषि क्षेत्र में जुटें, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में हाथ मिलाएं

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल का विद्यार्थियों से आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिव्वमोग्गा। यहां के केलाडी शिवप्पा नायक कृषि और बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह में भाग लेते हुए कर्नाटक के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने कहा कि सरकार व्यावहारिक कृषि शिक्षा पर निरंतर जोर दे रही है, कृषि स्नातक किसानों की आय बढ़ाने में अपना वांछित योगदान दे सकते हैं। छात्रों को विश्वविद्यालय से प्राप्त ज्ञान का उपयोग देश और समाज के हित में करना चाहिए और स्वावलंबी भारत में भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यावहारिक कृषि शिक्षा के तहत विश्वविद्यालय स्तर पर उद्यमिता विकास पर जोर दिया जा रहा है, जिसमें छात्रों को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए शिक्षित किया जा रहा है, ताकि शिक्षा पूरी होने के बाद छात्र नौकरी चाहने वाले के बजाय नौकरी प्रदाता के रूप में काम कर सकें।

यदि किसानों के पारंपरिक और अनुभव आधारित ज्ञान का उपयोग कृषि विकास में योजनाबद्ध तरीके से किया जाए तो कृषि क्षेत्र काफी बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। फसल की पैदावार बढ़ाने और खेती के तरीकों को आसान और लाभदायक बनाने के लिए नवीनतम तकनीकों और सेवाओं का उपयोग करना भी आवश्यक है। किसानों का मानना है कि वे कृषि के क्षेत्र में और विकास के उद्देश्य से खेती के नए तरीकों को सीखने और दुनिया भर में चल रहे कृषि प्रयोगों के बारे में जानने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित संसाधनों का उपयोग करके अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

केलाडी शिवप्पा नायक असाधारण प्रतिभा के धनी, महान व्यक्तित्व के स्वामी, एक कुशल प्रशासक और एक सैनिक थे, जिन्होंने कृषि क्षेत्र के विकास में बहुत योगदान दिया। उन्होंने इस बात की सराहना की कि उनके नाम पर स्थापित कृषि और बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय किसानों की स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कृषि और बागवानी के लिए नई प्रौद्योगिकियों और तकनीकों पर शोध और विकास कर रहा है।

कृषि विकास के लिए कड़ी मेहनत करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। उन्होंने सभी स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि वह उन्हें उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों और समाज की प्रगति में योगदान के लिए बधाई देते हैं और कामना करते हैं कि वे इस समाज, सार्वजनिक हित और देश के हित में निरंतर सेवा करते रहें। कार्यक्रम में मंत्री चेलुवरयास्वामी, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा, चांसलर आरसी जगदीश जैसे गणमान्य लोग मौजूद थे।

लोकतंत्र के महापर्व में हर एक मतदाता की भागीदारी है जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आगामी विधानसभा चुनावों में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जयपुर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान जारी है। अभियान के तहत ईवीएम डेमोंसट्रेशन सेंटर पर मशीन को प्रदर्शित करने के साथ ही आम नागरिकों को ईवीएम में मॉक पोल के जरिये मतदान प्रक्रिया समझाई जा रही है। वहीं, अलग-अलग माध्यमों से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। मतदाता जागरूकता अभियान की इसी कड़ी में विधानसभा क्षेत्र हवामहल के शास्त्री नगर में स्कूली बच्चों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में बड़ी तादाद में स्कूली बच्चों ने हाथों में मतदान को प्रेरित करने वाले संदेश लिखी पट्टियां लेकर उत्साह से नारे लगाए। 'सारा काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो' के संदेश के साथ निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली आमजन के आकर्षण का केन्द्र बनी रही।

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं को जागरूक करने के लिए नियमित कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के तहत रोजाना हजारों लोग इन मतदान प्रदर्शन केन्द्रों पर मॉक पोलिंग कर ईवीएम से मतदान की प्रक्रिया को समझ रहे हैं।

राजस्थान में कानून-व्यवस्था ध्वस्त, जंगलराज की स्थिति : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान में हर दिन 17 से 18 बलात्कार की घटनाएं होने का दावा करते हुए शुक्रवार को कहा कि इस मरूधर प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है और 'जंगलराज' कायम है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए भाजपा महासचिव व राजस्थान के प्रभारी अरुण सिंह ने कहा, ''राजस्थान में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई और पूरे प्रदेश में जंगलराज है। सरकार और पुलिस प्रशासन घटनाओं को दबाने में लगे हैं। हमने करौली में भी यही देखा, जब वहां एक दलित युवती का अपहरण किया गया, उसके साथ बलात्कार हुआ और उसकी हत्या कर दी गई।''

उन्होंने कहा, ''इस सब के बाद जब युवती की मां पुलिस के पास गई तो पुलिस ने कहा कि केस मत करो, समझौता कर लो वरना तुम्हें भी अंदर कर दिया जाएगा। राजस्थान में ऐसी घटनाएं हर रोज हो रही हैं।'' केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि राजस्थान में महिलाओ पर हो रहे अत्याचार की घटनाओं के बारे में जब कांग्रेस की महिला विधायक से प्रश्न किया जाता है तो वह कहती हैं कि सुरक्षा घेरे में रहने के बावजूद वह सुरक्षित नहीं है।

'साढ़े चार साल तक राजस्थान में किस्सा कुर्सी का चलता रहा। एक कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं था और दूसरा कुर्सी की चाहत को छोड़ने को तैयार नहीं था। इनके इस द्वंद्व में राजस्थान के लोगों ने ये समय खून के घूंट पीकर बिताया।'

शेखावत राजस्थान की कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा के महिला सुरक्षा को लेकर दिये गये हाल में दिए गए बयान का उल्लेख कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने मीडिया की खबरों का हवाला देते हुए कहा, ''राजस्थान में हर दिन 17 से 18 बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं और हर दिन लगभग पांच से सात हत्या के मामले दर्ज होते हैं।'' उन्होंने कहा कि राजस्थान में आज हालात इस तरह के हैं कि बंदूक के जोर पर जेलों से अपराधी छुड़ाए जा रहे हैं और पुलिस हिरासत में अपराधी गैंगवार करके एक दूसरे को मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ''इसे देख कर स्पष्ट है कि राजस्थान के आमजन में डर है और अपराधियों के हौसले बुंलद हैं।'' शेखावत ने कहा कि शांत और सौम्य प्रदेश राजस्थान में पिछले साढे चार साल में 10 लाख आपराधिक मामले दर्ज हुए हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए जोधपुर के सांसद ने कहा कि राजस्थान महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध में देश का नंबर वन राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि आज से साढ़े चार साल पहले किसानों को और युवाओं को 'आश्वासनों का पिटारा' देकर कांग्रेस की सरकार बनी थी लेकिन बाद में वहां आपसी सिर फुटव्वल नजर आया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच विवादों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, ''साढ़े चार साल तक राजस्थान में किस्सा कुर्सी का चलता रहा। एक कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं था और दूसरा कुर्सी (की चाहत) को छोड़ने को तैयार नहीं था। इनके इस द्वंद्व में राजस्थान के लोगों ने ये समय खून के घूंट पीकर बिताया।'' राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा होने हैं। इसके मद्देनजर भाजपा अपराध विशेषकर महिलाओं के खिलाफ अपराध को मुद्दा बनाकर गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रही है।

होटल कर्मी से मारपीट को लेकर मंत्री के भतीजे और कर्मचारी ने एक दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के वैशाली नगर क्षेत्र में एक होटल में राजस्थान के कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के भतीजे हर्षदीप सिंह और अन्य लोगों द्वारा कथित तौर पर होटल कर्मचारी के साथ हाथापाई करने के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी।पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मंत्री खाचरियावास ने कहा कि उनके भतीजे ने कोई हाथापाई नहीं की । उन्होंने कहा कि इस घटना के वीडियो की जांच की जा सकती है। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार रात यहां वैशाली नगर के 'काउंटी इन' होटल में तब हुई जब सिंह और अन्य लोगों की एक छोटी सी बात पर होटल के मेहमानों और कर्मचारियों से बहस हो गई।

वैशाली नगर के थानाधिकारी शिव नारायण ने बताया कि मामले में एक दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी हर्षदीप सिंह और अन्य ने होटल की संपत्ति में तोड़फोड़ की। मामले की जांच की जा रही है। होटल मालिक अभिमन्यु सिंह ने एक वीडियो में कहा कि हर्षदीप सिंह ने दुर्व्यवहार किया और होटल की संपत्ति में तोड़फोड़ की। उन्होंने कहा कि अब समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा है।

उधर, कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने पत्रकारों से कहा कि हर्षदीप किसी भी वीडियो में हाथापाई करते नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामला बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा उसे दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच में सच्चाई सामने आ जायेगी।

जयपुर में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित कई इलाकों में शुक्रवार अलसुबह 4.4 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोग घबराकर अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। पुलिस के अनुसार, भूकंप से जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट किया, ''आज सुबह जयपुर और राज्य के कुछ अन्य हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। अब तक जान-माल की हानि का कोई भी अप्रिय समाचार प्राप्त नहीं हुआ है।'' गहलोत के अनुसार, ''अधिकारियों को विस्तृत अवलोकन करने के निर्देश दिए गए हैं। हमारी नजर स्थिति पर बनी हुई है। सभी की कुशलता की कामना व प्रार्थना करता हूं।'' सुबह चार बजकर नौ मिनट पर पहली बार 4.4 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। इसके बाद सुबह चार बजकर 22 मिनट पर 3.1 तीव्रता का भूकंप का दूसरा झटका और फिर सुबह चार बजकर 25 मिनट पर 3.4 तीव्रता का भूकंप का तीसरा झटका महसूस किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, ''सुबह चार बजकर 25 मिनट पर 3.4 तीव्रता का भूकंप जयपुर में 10 किलोमीटर की गहराई में आया था।'' जयपुर के कई हिस्सों में सुबह लगभग चार बजे भूकंप के झटके महसूस होते ही घबराए लोग अपने-अपने घरों से निकल आए और रिश्तेदारों को फोन करने लगे। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर भूकंप के बारे में बात की और कई लोगों ने घटना की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने ट्वीट किया, ''जयपुर सहित राज्य में कुछ जगहों पर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं।

भाजपा सदस्यों ने शुक्रवार को भी किया बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों ने शुक्रवार को भी सदन से बहिर्गमन किया। शुक्रवार को भाजपा सदस्यों ने अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन किया। शून्यकाल में स्थगन प्रस्ताव के तहत उपनेता प्रतिपक्ष डा सतीश पूनियां सहित पांच सदस्यों ने अन्नपूर्णा फूड पैकेट मामले को सदन में उठाया।

इस दौरान डा पूनियां ने आरोप लगाते हुए कहा कि कोरोना के समय जो सरकार दवाई खा जाये, कफन खा जाये उससे न्याय की क्या उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार जिस तरह अन्नपूर्णा फूड पैकेट माफिया है, भू माफिया, दवा माफिया आदि है। इस बीच भाजपा के सदस्य वेल में आ गये और बाद में सदन से बहिर्गमन कर गए। इससे पहले स्थगन प्रस्ताव के तहत अन्नपूर्णा फूड पैकेट मुद्दे पर बोलते हुए विधायक अनिता भदेल, दीप्ति किरण माहेश्वरी, प्रताप सिंह सिघंवी ने कहा कि चुनावी लाभ लेने के लिए सरकार ने यह योजना लागू की है। पन्द्रहवीं विधानसभा के अष्टम सत्र के गत 14 जुलाई को पुन: शुरू होने के पहले दिन से भाजपा सदस्यों का विभिन्न मुद्दो को लेकर सदन में हंगामा जारी है और भाजपा सदस्यों ने शुक्रवार को लगातार पांचवें दिन भी सदन से बहिर्गमन किया।

समग्र शिक्षा के विभिन्न पदों पर प्रतिनियुक्ति के लिए होंगे ऑनलाइन साक्षात्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में समग्र शिक्षा के तहत राज्य, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर रिक्त पदों को ऑनलाईन साक्षात्कार के माध्यम से भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं और इसके लिए आगामी एक से सात अगस्त तक ऑनलाइन साक्षात्कार होंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इसके लिए इच्छुक पात्र अभ्यर्थी रविवार 23 जुलाई रात बारह बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इन रिक्त पदों के लिए डॉ. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जयपुर स्थित राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद कार्यालय की ओर से आगामी एक से सात अगस्त तक ऑनलाइन इंटरव्यू होंगे।

ये साक्षात्कार राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद मुख्यालय में उपनिदेशक (प्रधानाचार्य समकक्ष), सहायक निदेशक (व्याख्याता समकक्ष), मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रधानाचार्य समकक्ष), अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय में सहायक परियोजना समन्वयक (प्रधानाचार्य समकक्ष) एवं कार्यक्रम अधिकारी (व्याख्याता समकक्ष) तथा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी-द्वितीय (प्रधानाचार्य समकक्ष) एवं संदर्भ व्यक्ति (व्याख्याता समकक्ष) के संभावित रिक्त पदों पर प्रतिनियुक्ति के लिए होंगे।

प्रतिनियुक्ति के लिए इच्छुक पात्र अभ्यर्थी राज्य, जिला एवं ब्लॉक की पदवार संभावित रिक्तियों, आवेदन प्रक्रिया, साक्षात्कार तिथि एवं दिशा-निर्देश आदि का विवरण परिषद की वेबसाईट एवं शाला दर्पण पर देख सकते हैं। ऑनलाईन साक्षात्कार के लिंक एवं समय की सूचना ऑनलाइन आवेदन पत्र में दिये गये मोबाईल नम्बर पर टेक्स्ट मैसेज एवं शाला दर्पण के स्टाफ विंडो पर प्रेषित की जाएगी।

भीलवाड़ा जिले के पुर में क्षतिग्रस्त मकानों का होगा पुनः सर्वे : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने शुक्रवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि भीलवाड़ा जिले के उपनगर पुर में क्षतिग्रस्त मकानों का पुनः सर्वे कराया जाएगा। जूली प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का आयोजना मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रभावितों को नगर विकास न्यास द्वारा आरक्षित दर पर आवासीय भूखंड दिए जा रहे हैं और 693 आवेदकों की लॉटरी भी निकाली जा चुकी है।

इससे पहले उन्होंने विधायक विठ्ठल शंकर अवस्थी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 28 सितम्बर 2019 को पुर का दौरा कर वहां मकानों में आ रही दरारों के कारणों की जांच, सर्वे व प्रभावितों को मुआवजे से संबंधित निर्देश दिये थे। इसकी पालना में मकानों में आ रही दरारों के कारण ज्ञात करने और सर्वे कार्य के लिए आई.आई.टी रूड़की के वैज्ञानिकों की 'सशक्त कमेटी' का गठन किया गया।

जूली ने बताया कि सर्वे में 718 परिवार प्रभावित पाए गए, जिनमें से 693 भूखण्ड आवास मालिकों को क्षतिपूर्ति के तहत आवासीय भूखण्ड दिये जा रहे हैं। इनमें से 333 भूखण्ड नगर विकास न्यास की नया रामप्रसाद लड्ढा नगर योजना तथा 360 भूखण्ड नया पुर योजना में लॉटरी के माध्यम से दिये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 25 परिवारों ने सर्वे से असंतुष्ट होकर पुनः सर्वे एवं अधिक मुआवजे की मांग की, जिस कारण भूखण्ड आवंटन लॉटरी में इन परिवारों को सम्मिलित नहीं किया गया है।

उन्होंने बताया कि नया रामप्रसाद लड्ढा नगर योजना में 215 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके आवंटन पत्र जारी किये जा चुके हैं। इनमें से 154 आवेदकों द्वारा न्यास में निर्धारित राशि जमा कराने से उनके हक में पट्टा विलेख निष्पादित किया जा चुका है। शेष 61 आवेदकों के आवेदनों में राशि जमा होने, दस्तावेज पूर्ति एवं अन्य वांछित रिपोर्ट विभिन्न स्तर पर प्रक्रियाधीन होने से पट्टा विलेख जारी करने की कार्यवाही की जा रही है।

जूली ने बताया कि नया पुर नगर योजना में 210 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके न्यास द्वारा आवंटन पत्र जारी किये जा चुके हैं। इनमें से 56 आवेदकों द्वारा निर्धारित राशि न्यास में जमा करा दिये जाने से उनके हक में पट्टा विलेख निष्पादित किये जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि शेष 154 आवेदकों के आवेदनों में राशि जमा होने तथा दस्तावेज पूर्ति एवं अन्य वांछित रिपोर्ट विभिन्न स्तर पर प्रक्रियाधीन होने से पट्टा विलेख जारी करने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि शेष आवंटियों से आवेदन पूर्ति एवं निर्धारित राशि जमा करवाने के संबंध में न्यास द्वारा पुर ग्राम में निरन्तर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है ताकि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुसार राहत से शेष रहे परिवारों को यथाशीघ्र लाभान्वित किया जा सके।

राजस्थान में114 बांध पूरे भरे, प्रदेश में 72 फीसदी अधिक वर्षा हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में छोटे-बड़े बांधों एवं एनीकट की कुल जल संग्रहण क्षमता 12,580.03 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) के मुकाबले 18 जुलाई तक 7,512.03 एमसीएम (59.71 प्रतिशत) जल संग्रहण हो चुका है। 18 जुलाई तक 288.55 एमएम वर्षा हो चुकी है जो कि इस समय तक होने वाली औसत 167 एमएम बारिश से 72 प्रतिशत अधिक है। माउंट आबू में इस वर्ष की सर्वाधिक 1418 एमएम वर्षा रिकॉर्ड की गई है। मानसून की एक दिन में अधिकतम 530 एमएम बारिश पाली जिले के मुथाना में हुई। प्रदेश के कुल 690 बांधों में से 114 बांध या तो पूरी तरह से भर चुके हैं अथवा ओवरफ्लो हो रहे हैं, 278 बांध ऐसे हैं जिनमें 4.25 एमसीएम से अधिक पानी की आवक हो चुकी है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन एवं आईजीएनपी डॉ. सुबोध अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को आईजीएनपी बिल्डिंग के कॉन्फ्रेंस हॉल में हुई समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी गई। बैठक में बाढ की स्थिति की तैयारियों के बारे में बताया गया कि सभी 33 जिलों एवं 54 प्रमुख बांधों पर बाढ नियंत्रण कक्ष स्थापित हैं। घग्घर नदी कैचमेंट एरिया में अत्यधिक वर्षा के कारण पानी की अधिकता को देखते हुए हनुमानगढ़ से निकलने वाली नाली बेड, घग्घर डायवर्जन एवं इंदिरा गांधी नहर फीडर में आनुपातिक जल प्रवाह सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रदेश भर में बाढ की किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए जल संसाधन विभाग ने सभी आवश्यक तैयारियां कर ली हैं। घग्घर डायवर्जन चौनल में 21 जुलाई को 14 हजार 500 क्यूसेक पानी प्रवाहित किया गया। इसी प्रकार नाली बेड में 6,300 तथा इंदिरा गांधी नहर फीडर में 4,286 क्यूसेक पानी प्रवाहित किया गया। 15 जुलाई से क्रमबद्ध रूप से पूरी एहतियात के साथ पानी के प्रवाह की मात्रा बढ़ाई जा रही है। घग्घर डायवर्जन चौनल एवं नाली बेड में पूरे प्रवाह के साथ पानी बह रहा है। बैठक में बताया गया कि आईजीएनपी से बूम एस्केवेटर मशीन एवं इसके संचालन के लिए 9 ऑपरेटर भेजे गए हैं। एसीई, विजिलेंस एवं रेगुलेशन (बीकानेर) को भी हनुमानगढ़ भेजा गया है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने सिंचाई विभाग, पुलिस, जिला प्रशासन एवं आपदा नियंत्रण विभाग सहित स्थानीय निकायों से समन्वय स्थापित करने को कहा तथा मुख्य अभियंता (उत्तर), जल संसाधन, हनुमानगढ़ अमरजीत सिंह को फील्ड में रहकर पर्याप्त मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कोटा, उदयपुर, बांसवाड़ा एवं अन्य संभागों में बांधों में अचानक पानी की आवक एवं बाढ़ की स्थिति में राहत एवं बचाव की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी मुख्य अभियंताओं को कहा कि किसी भी तरह के संसाधनों की आवश्यकता होने पर मुख्यालय को तुरंत अवगत कराएं।

खान एवं भूविज्ञान विभाग खनिज एक्सप्लोरेशन कार्य को देंगे गति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य का माइंस विभाग और केन्द्र सरकार का जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया प्रदेश में परस्पर सहयोग व समन्वय से खनिज एक्सप्लोरेशन कार्य को गति देंगे। खान एवं भूविज्ञान विभाग के निदेशक संदेश नायक और जीएसआई जयपुर के अपर महानिदेशक जयपाल व दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की जीएसआई के अरावली सभागार में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया।

निदेशक माइंस संदेश नायक ने बताया कि राजस्थान विपुल खनिज संपदा युक्त प्रदेश होने के साथ ही पुरातनकाल से ही प्रदेश में खनिज खनन की समृद्ध परंपरा रही है। प्रदेश में दो हजार साल से पहले के खनिज खनन के साक्ष्य उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि खनिज क्षेत्र में निवेश व रोजगार की अपार संभावनाओं और आर्थिक विकास में सहभागिता का इसी से अंदाज लगाया जा सकते हैं कि प्रदेश में खनिज क्षेत्र में 45 सीमेंट फेक्ट्रियों के साथ ही एचजेडएल जैसी मल्टीनेशनल कंपनियां कार्य कर रही है।

नायक ने बताया कि रॉकफास्फेट, लेड, जिंक आदि के खनन में राजस्थान समूचे देश में अग्रणी है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा खनिज ब्लाकों की नीलामी में तेजी लाई गई है और प्रीमियम दरों पर ब्लॉकों की नीलामी हो रही है। जीएसआई के अपर महानिदेशक जय लाल ने बताया कि जीएसआई द्वारा 1851 से खनिज खोज का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में खनिज खोज की 64 रिपोर्ट दी जा चुकी है।

डीजीपी मिश्रा ने गोडावण सरंक्षण के लिए पुलिस सहयोग के लिए किया आश्वस्त

जयपुर। महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने राज्य पक्षी गोडावण के संरक्षण की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए इसके संरक्षण में पुलिस के सहयोग के लिए आश्वस्त किया है। मिश्रा से शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में राष्ट्रीय मरु उद्यान संघर्ष एवं विकास समिति के अध्यक्ष जुगत सिंह सोढा के नेतृत्व में आये प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की एवं उन्हें गोडावण यानी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड का चित्र भेंट किया। प्रतिनिधि मंडल में संस्था के उपाध्यक्ष दलपत सिंह सत्तो, वन्य जीव प्रेमी निरंजन कुमार मीणा व गिरिराज सिंह रावलोत शामिल रहे। मिश्रा ने संस्था द्वारा गोडावण सरंक्षण के लिये किये जा रहे कार्यो की जानकारी ली एवं गोडावण की शरणस्थली राष्ट्रीय मरु उद्यान क्षेत्र सहित आमजन में गोडावण सरंक्षण के संबंध में व्यापक जागरूकता पर बल दिया। उन्होंने राष्ट्रीय मरु उद्यान संघर्ष एवं विकास समिति द्वारा किए जा रहे सकारात्मक कार्यो की सराहना की।

सरकार गंभीर है तो सोमवार को मणिपुर पर विस्तृत चर्चा कराए, राज्य में राष्ट्रपति शासन लगे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मणिपुर के विषय पर संसद के दोनों सदनों में जारी गतिरोध के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार गंभीर है और सिर्फ चर्चा के नाम पर औपचारिकता नहीं निभाना चाहती तो सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसद के भीतर वक्तव्य दें तथा दोनों सदनों में विस्तृत चर्चा कराई जाए। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है तथा मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्वीट किया, नरेन्द्र मोदी जी, आपने कल संसद के भीतर बयान नहीं दिया। यदि आप उस घटना से आक्रोशित होते तो कांग्रेस शासित राज्यों के साथ झूठी तुलना करने की बजाय सबसे पहले अपने मणिपुर के मुख्यमंत्री को बर्खास्त कर सकते थे। उन्होंने कहा, भारत आपसे अपेक्षा करता है कि आप आज संसद में न केवल एक घटना पर, बल्कि 80 दिनों की हिंसा पर बयान देंगे।

मणिपुर को लेकर राज्य और केंद्र में आपकी सरकार बिल्कुल असहाय और संवेदनहीन दिख रही है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, एक भयावह वीडियो ने प्रधानमंत्री को मणिपुर पर चुप्पी तोड़ने पर मजबूर कर दिया, हालांकि उन्होंने जो कहा वह पूरी तरह से ध्यान भटकाने वाला था और 3 मई के बाद राज्य में सामने आई त्रासदी को संबोधित नहीं किया। उन्होंने कहा, अब पता चला है कि इस भयावह अत्याचार की शिकायत 12 जून को राष्ट्रीय महिला आयोग को की गई थी। कोई कार्रवाई नहीं की गई।

महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने वाली घटना से राज्य की छवि धूमिल हुई : एन बिरेन सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के लोग महिलाओं का सम्मान करते हैं और उन्हें माता के समान मानते हैं, लेकिन जिन उपद्रवियों ने मई में आदिवासी महिलाओं पर हमला कर उन्हें निर्वस्त्र किया, उन्होंने राज्य की छवि को धूमिल किया है।

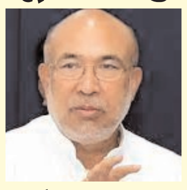

दो आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने और छेड़छाड़ का यह वीडियो बुधवार को सामने आया था जिसकी देशभर में निंदा की गई। इस मामले में चार आरोपियों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया।

सिंह ने कहा, मणिपुर के लोग महिलाओं को माता के समान मानते हैं, लेकिन कुछ बदमाशों ने यह हरकत की तथा हमारी छवि को धूमिल किया। हमने इस घटना की निंदा करने के लिए राज्यभर में घाटी एवं पहाड़ी दोनों ही क्षेत्रों में विरोध का आह्वान किया हैं। उन्होंने कहा कि लोग मांग कर रहे हैं कि अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

संसद में चर्चा से भाग रहा है विपक्ष : अनुराग

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कांग्रेस नीत विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर चर्चा कराना चाहती है और चर्चा में भाग भी लेना चाहती है, लेकिन विपक्ष चर्चा से भाग रहा और संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहा। सूचना प्रसारण मंत्री ठाकुर ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि संसद के पिछले कुछ सत्रों का उदाहरण देखें तो यह स्पष्ट होता है कि विपक्ष कोई न कोई बहाना बनाकर यह प्रयास करता है कि चर्चा न हो, संसद न चले। लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के परोक्ष संदर्भ में ठाकुर ने कहा कि कुछ लोग सदन के सदस्य नहीं रहे हैं, ऐसे में उनकी मंशा तो यह है कि इसके बाद सदन चले ही नहीं।

विंध्यवासिनी के दरबार में भागवत ने लगाई हाजिरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिर्जापुर/वार्ता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को विंध्य क्षेत्र की अधिष्ठात्री देवी मां विंध्यवासिनी देवी का दर्शन पूजन किया और काली एवं अष्टभुजा देवी के दर्शन कर विश्व प्रसिद्ध त्रिकोण परिक्रमा पूर्ण की।

भागवत संत मिलन यात्रा कार्यक्रम में गुरुवार को ही यहां आ गए थे। इससे पहले उन्होंने सत्तेशगढ आश्रम में संत अड़गड़ानंद महाराज से मिल कर आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त की। गुरुवार शाम को वे मां विंध्यवासिनी देवी के तलहटी में स्थित प्रसिद्ध संत देवरहवा बाबा आश्रम में हंस बाबा के सानिध्य में रहे। यही रात्रि विश्राम भी किया।

संघ प्रमुख मोहन भागवत की धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत शुक्रवार सुबह की। सबसे पहले उन्होने आश्रम में स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की जिसे काशी से आए ग्यारह पंडितों द्वारा सम्पादित कराया गया। उन्होंने महाबली हनुमान जी को इक्यावन मन बूंदी के लड्डु का भोग लगाया। सारी तैयारियां पहले से कर ली गई थी।

सुबह नौ बजे मां विंध्यवासिनी देवी के दर्शन पूजन किए। यहां के सारे धार्मिक अनुष्ठान भाजपा विधायक एवं मां के दरबार के पुरोहित रत्नाकर मिश्र एवं उनके परिजनों द्वारा कराया गया। हाल के दिनों में उनकी यह चौथी यात्रा थी। छह माह के भीतर दूसरी बार हनुमान पूजा और मां विंध्यवासिनी देवी दरबार में मत्था टेका है। उन्होंने पहली बार त्रिकोण परिक्रमा पूर्ण की है। यहां जिला प्रशासन की ओर उनका स्वागत किया गया।

असम के विधायक अखिल गोगोई ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के निर्दलीय विधायक अखिल गोगोई ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि पड़ोसी राज्य में जारी हिंसा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साजिश है।

राएोर दल के प्रमुख ने मणिपुर में स्थिति को नियंत्रित करने में कथित रूप से विफल रहने के लिए मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से इस्तीफे की भी मांग की।

अखिल गोगोई ने बीते दो महीने से अधिक समय से मणिपुर में जारी हिंसा पर कहा, मणिपुर में उथल-पुथल मची हुई है, लेकिन किसी को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कोई आगे नहीं आ रहा है।

मणिपुर में चार मई को दो आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने और छेड़छाड़ का एक वीडियो बुधवार को सामने आया था जिसकी देशभर में निंदा की गई। इस मामले में चार आरोपियों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया।

सूचना अधिकार कार्यकर्ता से नेता बने गोगोई ने कहा, हम मांग करते हैं कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए।

मणिपुर जैसी दो घटनाएं पश्चिम बंगाल में हुई : भाजपा का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने मणिपुर में दो जनजातीय महिलाओं को निर्वस्त्र कर भीड़ द्वारा घुमाए जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए शुक्रवार को दावा किया कि उनके राज्य में भी दो महिलाओं के साथ इस प्रकार का दुर्व्यवहार किया गया है।

यहां पार्टी मुख्यालय में मजूमदार के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी की सांसद लॉकेट चटर्जी पश्चिम बंगाल की घटना का उल्लेख करने के दौरान रो पड़ी।

मजूमदार ने कहा कि दोनों घटनाओं में फर्क सिर्फ इतना है कि पश्चिम बंगाल में मणिपुर जैसी हुई दो घटनाओं का वीडियो उपलब्ध नहीं है। मजूमदार ने कहा, मणिपुर में जो घटना हुई वो बहुत दुखद है, हम उसकी कड़ी निंदा करते हैं, ऐसी घटना कहीं भी नहीं होनी चाहिए। लेकिन बंगाल के दक्षिण पांचला में भाजपा की महिला सदस्य को पंचायत चुनाव लड़ने के कारण निवस्त्र करके घुमाया गया। क्या ये मणिपुर से कम दुःखद घटना है?

उन्होंने कहा, फर्क बस ये है कि इसका कोई वीडियो नहीं है क्योंकि ममता बनर्जी (मुख्यमंत्री) की पुलिस और गुंडे किसी को भी वीडियो नहीं बनाने देते।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि एक ही दिन अलीपुर द्वार (उत्तरी बंगाल) और वीरभूम (दक्षिणी बंगाल) में दो महिलाओं को नंगा करके गांव में घुमाया गया।

मप्र में परिवर्तन की प्रचंड लहर, कांग्रेस की सरकार बनने पर मिलेगी पांच गारंटी : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। मध्यप्रदेश में महंगाई एवं अन्य कठिनाईयों के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर हमला करते गए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश में परिवर्तन की व्यापक लहर है, और कांग्रेस की सरकार बनने पर लोगों को पांच गारंटी मिलेगी। प्रियंका ने पार्टी के सत्ता में आने पर मध्यप्रदेश के लोगों के लिए कांग्रेस की पांच गारंटी दोहराई। पिछले 40 दिनों में प्रदेश का उनका यह दूसरा दौरा है।

यहां पहुंचने पर कांग्रेस नेता ने महान स्वतंत्रता सेनानी रानी लक्ष्मीबाई के स्मारक पर जा कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के गृह क्षेत्र ग्वालियर में जन आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते गए कहा कि हाल में उन्होंने वरिष्ठ विपक्षी नेताओं को चोर बताकर उनका अपमान किया है। प्रियंका ने अफसोस जताते गए कहा, राजनीतिक शालीनता समाप्त हो गई है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति हो रही है, जिसके कारण जनता के वास्तविक मुद्दे और परेशानियां पीछे धकेल दी जाती हैं।

मोदी उपनाम-मानहानि

राहुल गांधी की याचिका कर गुजरात भाजपा विधायक को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उच्चतम न्यायालय मोदी सरनेम (मोदी उपनाम) की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपराधिक मानहानि का दोषी ठहराए जाने के खिलाफ दायर उनकी विशेष अनुमति याचिका पर शुक्रवार को नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने वाले गुजरात के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पूर्णेश मोदी और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में अगली सुनवाई चार अगस्त को करेगा। पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति गवई ने सुनवाई शुरू होते ही यह कहते हुए इस मामले की सुनवाई से अपने को अलग रखने का प्रस्ताव किया कि उनके पिताजी 40 साल से अधिक समय तक कांग्रेस से जुड़े रहे और उनका भाई अभी भी इस पार्टी में है।

न्यायमूर्ति गवई के इस प्रस्ताव पर याचिकाकर्ता गांधी का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और शिकायतकर्ता मोदी का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने एक स्वर में कहा कि उन्हें इस बात से उनसे कोई एतराज नहीं है। इसके बाद पीठ ने नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई के लिए 4 अगस्त की तारीख मुकर्रर की। सिंघवी ने शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया, जबकि जेठमलानी ने जवाब दाखिल करने के लिए कम से कम 10 दिनों का समय देने की गुहार लगाई।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 18 जुलाई को वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी के विशेष उल्लेख के दौरान शीघ्र सुनवाई के अनुरोध पर सहमति व्यक्त करते हुए मामले को 21 जुलाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था। कांग्रेस नेता गांधी के वर्ष 2019 की एक टिप्पणी के मामले में आपराधिक मानहानि का दोषी ठहराए जाने और इसके लिए दो साल की सजा देने के मामले में निचली अदालत के फैसले पर मुहर लगाने वाले गुजरात उच्च न्यायालय के सात जुलाई के फैसले के खिलाफ 15 जुलाई 2023 को उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

पिछले साढ़े तीन वर्ष में 5,61,272 भारतीय नागरिकों ने अपनी नागरिकता छोड़ी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में 5,61,272 भारतीय नागरिकों ने अपनी नागरिकता छोड़ी है। लोकसभा में कार्ति पी चिदंबरम के प्रश्न के लिखित उत्तर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह जानकारी दी। कार्ति चिदंबरम ने पूछा था कि पिछले तीन वर्ष और इस वर्ष के दौरान अब तक कितने भारतीय नागरिकों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि मंत्रालय के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार वर्ष 2020 में 85,256 भारतीय नागरिकों, वर्ष 2021 में 1,63,370 भारतीय नागरिकों, वर्ष 2022 में 2,25,620 भारतीय नागरिकों तथा वर्ष 2023 में जून तक 87,026 नागरिकों ने अपनी नागरिकता छोड़ी।

भाजपा को हराएगा इंडिया, किसी पद की चाह नहीं है : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि अगले साले होने वाले लोकसभा चुनाव में इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस) भाजपा को हराने में सफल रहेगा। उन्होंने जीतेगा भारत के नारे को दोहराया।

बनर्जी ने इस बात पर भी जोर दिया कि उनका सारा ध्यान किसी पद की इच्छा रखने के स्थान पर गठबंधन (इंडिया) की जीत पर है।

मणिपुर संकट को लेकर केन्द्र सरकार के खिलाफ हमला जारी रखते हुए तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बेटी बचाओ योजना अब बेटी जलाओ में बदल गई है।

बनर्जी ने जानना चाहा कि मणिपुर में जातीय हिंसा में 160 से ज्यादा लोगों की मौत होने के बावजूद केन्द्र सरकार ने वहां केन्द्रीय दलों को क्यों नहीं भेजा है। उन्होंने कहा, 26 राजनीतिक दलों ने जो गठबंधन (इंडिया) बनाया है, मैं उससे खुश हूं। अब से हमारा नारा होगा जीतेगा भारत'। भविष्य में हमारे सभी कार्यक्रम इंडिया के बैनर तले होंगे।

विपक्षी गठबंधन के सबसे मुखर नेताओं में शामित ममता बनर्जी ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा, हमें किसी पद की परवाह नहीं है; हम सिर्फ हमारे देश में शांति और भाजपा को सत्ता से बाहर करना चाहते हैं। भाजपा सरकार ने शालीनता की सभी हदें पार कर दी हैं और अब समय आ गया है कि लोग उन्हें सत्ता से हटा दें।

बनर्जी ने कहा, हमें याद रखना चाहिए कि अगर 2024 में भाजपा सरकार की सत्ता में वापसी होती है तो हमारे देश में लोकतंत्र नहीं बचेगा। हमें उन्हें सत्ता से बाहर फेंकना होगा। इसलिए मैं आज आह्वान कर रही हूं... भाजपा हारेगी, भारत जीतेगा और जीतेगा भारत'। मैं भाजपा को हराने के लिए गठबंधन इंडिया बनाने पर 26 राजनीतिक दलों को बधाई देती हूं।

पार्टी की वार्षिक शहीद दिवस रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने मणिपुर के साथ एकजुटता प्रदर्शित की और कहा कि विपक्षी गठबंधन का प्रत्येक नेता मणिपुर के साथ है।

भूस्खलन के कारण बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग कई जगह बंद

गोपेश्वर (उत्तराखंड)/भाषा। भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन का मलबा आ जाने से चमोली जिले में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग शुक्रवार को नंदप्रयाग से बदरीनाथ के बीच पांच स्थानों पर अवरुद्ध हो गया। चमोली जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, कर्णप्रयाग- नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग भी गैरसैण के समीप कालीमाटी में भूधंसाव के कारण आवागमन के लिए बंद हो गया है। सड़कों को खोलने के लिए काम शुरू कर दिया गया है।

सुबह भारी बारिश के कारण जिले के कई इलाकों में सड़क की नालियां बंद होने से घरों के आसपास पानी भरने की भी सूचना है।

विनेश, बजरंग को एशियाड ट्रायल में छूट पर आज फैसला देगी शीर्ष अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल से मिली छूट को चुनौती देने वाली याचिका पर 22 जुलाई को फैसला सुनाया जाएगा।

न्यायाधीश सुब्रह्मण्यम प्रसाद ने अंडर 20 विश्व चैम्पियन अंतिम पंघाल और अंडर 23 एशियाई चैम्पियन सुजीत कलकल की याचिका पर शुक्रवार को फैसला सुरक्षित रखा। उन्होंने कार्यवाही के दौरान कहा, अदालत का काम यह पता लगाना नहीं है कि कौन बेहतर है। हमारा काम यह सुनिश्चित करना है कि प्रक्रिया का पालन हुआ या नहीं। फोगाट (53 किलो) और पूनिया (65 किलो) को भारतीय ओलंपिक संघ की तदर्थ समिति ने मंगलवार को एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश देने का फैसला किया। दूसरे पहलवानों के लिए ट्रायल 22 और 23 जुलाई को होने हैं।

पंघाल और कलकल ने इस फैसले को चुनौती दी है। एडवोकेट रिषिकेश बरूआ और अक्षय कुमार द्वारा दाखिल याचिका में उन्होंने तदर्थ समिति के इस फैसले को रद्द करने की मांग की है। बरूआ ने इस फैसले को कई आधार पर चुनौती दी जिसमें अगस्त 2022 में खिलाड़ियों को चयन ट्रायल से छूट देने का प्रावधान वापिस लेने का भारतीय कुश्ती महासंघ की आमसभा का फैसला भी एक आधार है।

टमाटर की कीमतों में गिरावट की उम्मीद : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से नई फसल की अधिक आपूर्ति के साथ टमाटर की खुदरा कीमतों में गिरावट की उम्मीद है। मानसून की बारिश और अन्य कारणों से आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण देश के कई हिस्सों में टमाटर की खुदरा कीमतें 200-250 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा, महाराष्ट्र में नासिक, नारायणगांव और औरंगाबाद क्षेत्र तथा मध्य प्रदेश से भी नई फसल की आवक बढ़ने से टमाटर की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, टमाटर की कीमतों में मौजूदा वृद्धि किसानों को अधिक टमाटर की फसल उगाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे आने वाले महीनों में कीमतें स्थिर होने की उम्मीद है।

बुमराह एनसीए में खेलेंगे अभ्यास मैच, पंत ने नेट पर बल्लेबाजी शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का आयरलैंड टी20 अंतरराष्ट्रीय दौरे के लिए भारतीय टीम में चयन राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) द्वारा आयोजित कुछ अभ्यास मैचों के दौरान उनके फिटनेस आकलन पर निर्भर होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इसकी सूचना दी।

बुमराह पिछले 10 से भी ज्यादा महीनों से क्रिकेट से बाहर हैं, उनकी पीठ के निचले हिस्से के स्ट्रेस फ्रेक्चर की सर्जरी हुई थी और वह लंबे समय से एनसीए में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं जिसमें उनके साथ तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं जिन्हें भी यही चोट लगी है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक विज्ञप्ति में सूचित किया कि ऋषभ पंत ने अपनी ट्रेनिंग (बल्लेबाजी और विकेटकीपर) शुरु कर दी है जबकि केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को अभी पूरी तरह फिट होने में समय लगेगा। केएल राहुल हैमस्ट्रिंग और श्रेयस अय्यर पीठ के निचले हिस्से की सर्जरी से उबर रहे हैं। शाह ने विज्ञप्ति में कहा, दोनों तेज गेंदबाज (बुमराह और कृष्णा) अपने रिहैबिलिटेशन के अंतिम चरण में हैं और नेट पर पूरे जोश से गेंदबाजी कर रहे हैं। दोनों अब कुछ अभ्यास मैच खेलेंगे जिनका आयोजन एनसीए करेगा।

इसके अनुसार, बीसीसीआई की चिकित्सा टीम उनकी प्रगति से खुश है और अभ्यास मैचों के बाद उनकी फिटनेस का आकलन करने के बाद अंतिम फैसला करेगी।

भारतीय टीम प्रबंधन और एनसीए की चिकित्सा टीम पहले बुमराह की फिटनेस 20 ओवर के मैच में और फिर उन्हें एशिया कप में खेलते देखना चाहती है ताकि वह वनडे विश्व कप के लिए तैयार हो सके, जिसमें उनकी मौजूदगी बहुत जरूरी है।

यह सिर्फ विभिन्न प्रारूपों में चार या 10 ओवर तक गेंदबाजी करने के बारे में नहीं है बल्कि 50 ओवरों के लिए मैदान पर बने रहना और चौके-छक्के बचाने के लिए क्षेत्ररक्षण करना भी जरूरी है।

सुविचार

अजीब सिलसिला है ये जिंदगी का, कोई भरोसे के लिए रोया, कोई भरोसा करके रोया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ये तमाशबीन ...

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। वहां सरकार, सेना, पुलिस, अदालतें ... खामोश हैं, बल्कि तमाशबीन हैं। ऐसे मामलों की देश-विदेश में निंदा होने के बावजूद पाकिस्तानी हुक्मरान चिकने घड़े बने हुए हैं। उन पर कोई असर ही नहीं हो रहा! पाक के सिंध प्रांत में रहने वाले एक हिंदू उद्यमी लीलाराम की तीन बेटियों के अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और 'निकाह' करवाने की घटना अत्यंत निंदनीय है। वहां ऐसे कुकृत्य धड़ल्ले से हो रहे हैं। पाकिस्तानी अल्पसंख्यकों को उनके 'उच्चतम न्यायालय' से थोड़ी उम्मीद रहती है कि वह ऐसे मामलों पर संज्ञान लेकर कुछ सख्ती दिखाएगा, लेकिन अब तो वह भी 'धृतराष्ट्र' की भूमिका निभा रहा है। पाक में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करके कोई भी निर्भय घूम सकता है। उसे सरकार से लेकर सेना और न्यायालय तक की मौन स्वीकृति प्राप्त है। जो पाकिस्तानी मीडिया मानवाधिकार के नाम पर भारत में होने वाली हर घटना को तिल का ताड़ बनाकर पेश करता है, उसे लीलाराम की तीन मासूम बेटियों चांदनी, रोशनी और परमेश कुमारी की पीड़ा क्यों नज़र नहीं आ रही है? क्या उनके कैमरों के लेंस खराब हो गए हैं या 'ऊपर' से आदेश आया है कि हिंदुओं पर अत्याचार होते हैं तो होने दें, क्योंकि किसी भी सरकार को उनकी कोई परवाह नहीं है? यूं तो पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की यह पहली घटना नहीं है। वहां सोशल मीडिया के कारण कुछ मामले सामने आ जाते हैं। वहीं, ज़्यादातर दबा दिए जाते हैं। न मीडिया उन्हें प्रकाशित-प्रसारित करने का साहस दिखाता है, न पुलिस हस्तक्षेप करती है। पाकिस्तान में सिक्ख और ईसाई समुदाय पर भी अत्याचार होता है, लेकिन भारत से दुश्मनी के कारण हिंदुओं को खासतौर से निशाना बनाया जाता है। उन्हें विभिन्न तरीकों से सताया जाता है। अगर किसी की जवान बेटियां हों तो साजिशन उनका अपहरण कर जबरन धर्मांतरण और निकाह करा दिया जाता है।

अब तक सिंध के कई गांवों में हजारों हिंदू लड़कियों के साथ ऐसा हो चुका है। अगर कोई परिवार इसके खिलाफ न्यायालय जाता है तो वहां खुद को बेबस और मजबूर ही पाता है, क्योंकि ऐसे मामलों में लड़की से जबरन हस्ताक्षर करवाकर बयान दिलवाया जाता है कि उसने यह कदम अपनी मर्जी से उठाया है। लड़की को धमकी दी जाती है कि अगर वह अपराधियों की मर्जी के मुताबिक बयान नहीं देगी तो उसके परिवार की हत्या कर दी जाएगी। लिहाजा वह अपने मां-बाप, भाई-बहनों की सुरक्षा के लिए वही बयान देती है। जज को असलियत मालूम होती है, लेकिन हिंदुओं को इंसाफ देने में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। वह लड़की के बयान के आधार पर उन्हीं लोगों के पक्ष में फैसला सुना देता है, जिन्होंने उसके साथ ज्यादती की थी। एक हिंदू लड़की, जिसके साथ इसी तरह की घटना हुई थी, का पिता एक साक्षात्कार में कहता है कि जब वह अपनी बेटी को वापस पाने के लिए अदालत गया तो उसे उम्मीद थी कि यहां जरूर इंसाफ मिलेगा। जब उसने अदालत के पहरेदार से लेकर कर्मचारियों और वकीलों तक को उस पर हंसते देखा तो कुछ शक हुआ। जब उसने जज को भी उस पर हंसते देखा तो पूरा विश्वास हो गया कि यहां इंसाफ नहीं मिलेगा और वह नहीं मिला। जज ने लड़की के पिता की याचिका खारिज कर दी। अपराधियों की जीत हुई! पाकिस्तानी हिंदुओं के संबंध में एक ग़लतफ़हमी यह है कि प्राय: उन परिवारों की बेटियों का अपहरण होता है, जो अशिक्षित व ग़रीब होते हैं। हकीकत इससे अलग है। पाकिस्तान में उच्च शिक्षित व साधन-संपन्न हिंदू परिवारों की बेटियों के साथ भी ऐसा हो चुका है। वहां हिंदू कितना ही अमीर हो, सरकारी तंत्र उसे सुरक्षा नहीं देता। इसलिए कई हिंदू परिवार, जिनके पास पाकिस्तान में काफी संपत्ति थी, छोड़कर भारत आने को मजबूर हो गए, ताकि उनकी बेटियां अपहरण व जबरन धर्मांतरण से सुरक्षित रहें। पाकिस्तान के हुक्मरान याद रखें, कर्मफल अटल है। आप आज जिन बालिकाओं के आंसू देखकर चुप्पी साधे बैठे हैं, वे एक दिन ज्वाला बनकर बरसेंगे। कर्मफल से बड़े-बड़े आततायी धराशायी हो गए। रावलपिंडी और इस्लामाबाद में बैठे ये तमाशबीन भी उससे नहीं बचेंगे।

ट्वीटर टॉक

महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा अपराधिक घटनाएं राजस्थान में हुई हैं। दुष्कर्म की घटनाओं में राजस्थान नंबर वन प्रदेश बन गया है। मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाएं हो रही हैं लेकिन सब चुप हैं।

–वसुंधरा राजे

सामाजिक सुरक्षा व न्याय की सशक्त आवाज़ कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। ईश्वर आपके समस्त संकल्पों को सिद्धि प्रदान करें। आपके स्वस्थ, सुखी व चिरायु जीवन की कामना करता हूँ।

–अशोक गहलोत

घोषणावीर कांग्रेस सरकार का बिजली की दरे नहीं बढ़ाने का वादा भी शब्दों का मायाजाल निकला। राहत देने के नाम पर कांग्रेस सरकार आमजन की जेब पर डांका डालकर फ्यूल सरचार्ज वसूलने की तैयारी में है। आँकड़ों की इस जादूगरी का जवाब आने वाले चुनावों में जनता दे देगी।

–दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

छोटी खुशियों का सुख

एक बार एक ऋषि अपने आश्रम में अपने शिष्यों को शिक्षा दे रहे थे। उनकी नजर एक ऐसे शिष्य पर पड़ी जो चुपचाप बैठा रहता और किसी से कुछ नहीं बोलता था। महर्षि ध्यान योग से सब कुछ समझ चुके थे। चार-पांच दिन बीतने के पश्चात महर्षि ने उसे अपनी कुटिया में बुलाया। महर्षि ने उसे नीबू की शिकंजवी पीने को दी, जिसमें आवश्यकता से अधिक नमक डाला हुआ था। जैसे ही उस शिष्य ने शिकंजवी का घूंट भरा उसे अहसास हुआ, कि नमक अधिक है। महर्षि ने पूछा क्या हुआ? नमक तेज लग रहा है। शिष्य ने कहा 'तेज है' लेकिन कोई बात नहीं। महर्षि ने शिष्य को समझाते हुए कहा, बेटा जिस प्रकार यह 'नमक' शिकंजवी में घुल चुका है, जो निकाला नहीं जा सकता, लेकिन 'इसे थोड़ा-सा मीठा डालकर स्वादिष्ट बनाया जा सकता है, उसी प्रकार जीवन के अतीत में जिन मुसीबतों, कठिनाइयों को तुमने सहन किया है, उन सभी को जीवन में छोटी-छोटी खुशियों के सहारे कम किया जा सकता है। गुरु की इस प्रेरणा से शिष्य को खुशहाल जीवन की प्रेरणा मिली।

सामयिक

मणिपुर की घटना से सारा देश शर्मसार

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

मणिपुर की घटना ने पूरे देश को शर्मसार कर दिया है। नेताओं से लेकर आम जनता तक, हर कोई इस घटना की कड़ी निंदा कर रहा है। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न कर घुमाने की इस घटना पर प्रधानमंत्री मोदी ने कड़ी कार्रवाई की बात कही, गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर के मुख्यमंत्री को फोन लगाया। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सरकार से कहा कि अगर आप कुछ नहीं कर सकते तो हम करेंगे। इस बीच संसद के मानसून सत्र में भी इस पर जोरदार हंगामा हुआ। वीडियो सामने आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पीड़ा जताई है। उन्होंने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने इस घटना को अमानवीय बताया है। साथ ही कहा कि अपराधी मौत की सजा के हकदार हैं।

मणिपुर में कुकी समुदाय की महिलाओं से दरिंदगी का वीडियो वायरल होने के बाद पूरे देश में गुस्से का माहौल है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि महिलाओं को निर्वस्त्र कर वहशियों की भीड़ कानून, पुलिस और सरकार सबसे बेखौफ होकर घूम रही है। इस घटना से 140 करोड़ नागरिक शर्मसार हुए हैं, क्योंकि देश के जिस पूर्वोत्तर से सूरज उगता है वहां बेटियों का सम्मान डुबा दिया गया है। बता दें कि मणिपुर केस में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पर इस समय लाख टके का सवाल यह है कि दोषी कौन है? मणिपुर की इंफाल घाटी के मैती बहुल थौबल जिले की वह भीड़, जिसके सामने दो महिलाओं को निर्वस्त्र किया गया या वो लोग जिन लोगों ने महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाई या उनके साथ सामूहिक बलात्कार में शामिल हुए? क्या कांगपोक्पी जिले की पुलिस दोषी नहीं है, जिसने 18 मई को एफआईआर दर्ज किया और ठीक दो महीने बाद वीडियो वायरल होने तक कोई कार्रवाई नहीं की? क्या थौबल जिले की पुलिस के सिर यह अपराध नहीं आएगा, जिसकी आंखों के सामने कुकी-जोमी समुदाय के एक पूरे परिवार को उजाड़ दिया गया? घटना चार मई की है, जब वीडियो में दिख रही 20 साल की युवती की आंखों के सामने उसके पिता और भाई की हत्या कर दी गई और पूरा परिवार उजाड़ दिया गया। दोनों महिलाओं को आतातायी भीड़ पुलिस के हाथों से खींच कर ले गई और उनको निर्वस्त्र किया, उनके साथ बलात्कार किया। तो क्या वह पुलिस इस अपराध में शामिल नहीं मानी जाएगी, जिसके सामने यह अत्याचार हुआ? फिर किन दोषियों को तलाश किया जा रहा है? चीफ जस्टिस को कार्रवाई करनी है तो हाई कोर्ट से ही क्यों नहीं शुरू करते, जिसके एक आदेश के बाद हिंसा की शुरुआत हुई थी? प्रधानमंत्री को कार्रवाई करनी है तो मुख्यमंत्री से शुरू क्यों नहीं करते, जिसके राज में स्त्रियों के साथ ऐसी बर्बर और अमानवीय घटना हो रही है और जिसकी वजह से पूरी दुनिया के सामने भारत शर्मसार हो रहा है?

दो महिलाओं के साथ अमानवीयता का वीडियो सामने आने के 12 घंटे के बाद राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अपनी पीठ थपथपाते हुए कहा कि इस मामले में पहली गिरफ्तारी हो गई है। यह कितने शर्म की बात है! चुल्लू भर पानी में डूब मरने की बात है कि घटना के 77 दिन के बाद राज्य का मुख्यमंत्री कह रहा है कि पहली गिरफ्तारी हुई है। क्या राज्य के मुख्यमंत्री को इस घटना की पहले से जानकारी नहीं थी? अगर जानकारी नहीं थी तो राज्य के सर्वोच्च प्रशासनिक प्राधिकार के नाते उनको पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। वीडियो में दिख रहे दरिंदों को गिरफ्तार करने से पहले थौबल और कांगपोक्पी जिले की समूची पुलिस फोर्स पर कार्रवाई करने की जरूरत है, जिन्होंने सब जानते बूझते कोई कार्रवाई नहीं की। जिस मैती बहुल थाना क्षेत्र की यह घटना है वहां के सभी पुलिसकर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। जिस कुकी-जोमी बहुल थाना क्षेत्र में जीरो एफआईआर दर्ज हुई थी, उस थाना क्षेत्र के भी सभी पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

यह कोई सामान्य अपराध नहीं है, जिसमें दो-चार दोषियों की गिरफ्तारी हो और मामला रफा-दफा हो। यह समूचे सिस्टम के विफल होने की घटना है। अगर आप घटना की क्रोनोलॉजी सुनेंगे तब समझ में आएगा कि किस तरह से पूरे सिस्टम ने इस घटना को होने दिया और उसके बाद दबाए रखा। मणिपुर में तीन मई को कुकी और मैती समुदायों के बीच हिंसा की शुरुआत हुई थी। उसके अगले दिन चार मई को थौबल जिले के एक मैती बहुल इलाके में कुकी-जोमी समुदाय के एक परिवार के घर पर भीड़ ने हमला किया। परिवार के पांच लोग जान बचा कर भागे और पुलिस के पास पहुंचे। लेकिन भीड़ ने पुलिस के हाथों से उनको छीन लिया और दो पुरुष सदस्यों की मौके पर ही हत्या कर दी। उसके बाद दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके पूरे गांव में घुमाया गया, उनके सम्मान को ठेस पहुंचाई गई और उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। किसी तरह से महिलाएं वहां से भाग कर कुकी-जोमी बहुलता वाले इलाके में पहुंचीं और पुलिस के पास जाकर मुकदमा दर्ज कराया। इस वारदात के 14 दिन तक किसी के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। 18 मई को गांव के प्रमुख ने पुलिस को शिकायत दी। इस शिकायत के 34 दिन बाद 21 जून को मुकदमा कायम किया गया। और 29 दिन बाद जब वीडियो वायरल हुआ और बवाल मचा तो गिरफ्तारियां शुरू हुई। यदि यह वीडियो वायरल नहीं होती तो यह शर्मनाक घटना इतिहास बन कर रह जाती।

इस घटना का वीडियो बनाया गया था और सैकड़ों लोग नंगी आंखों से इस घटना गवाह बने थे। फिर भी पूरे मणिपुर में मुर्दा शांति बनी रही। हैरानी की बात है कि शांति बहाली के प्रयास के लिए 29 मई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर के दौरे पर गए। वे कुकी और मैती दोनों समुदायों को राहत शिविरों में गए। क्या किसी ने उनको इस घटना के बारे में नहीं बताया? अगर नहीं बताया है तो अभी तक उन्होंने मुख्यमंत्री से लेकर पुलिस, प्रशासन और खुफिया पुलिस के लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की है?

पहली नजर में यह पुलिस और प्रशासन की विफलता दिखती है लेकिन असल में यह एक समाज के नाते पूरे देश की और हर नागरिक की विफलता है। जिस समाज में महिलाओं के साथ इस तरह की घटना होती है वह समाज कहीं से सभ्य कहे जाने लायक नहीं है। हम बलात्कार के दोषियों की रिहाई पर माला पहना कर उनका स्वागत करते हैं। हम स्त्रियों का यौन उत्पीड़न करने वाले को इसलिए बचाते हैं कि वह एक खास दल का सांसद है। फिर हम कैसे ऐसी घटनाओं से बच सकते हैं? हम कैसे एक समाज के रूप में विफल रहे हैं यह इस बात से भी पता चलता है कि सैकड़ों लोगों की जिस भीड़ के सामने इस शर्मनाक घटना को अंजाम दिया जा रहा था उस भीड़ में किसी की अंतरात्मा नहीं जागी। किसी ने आगे बढ़ कर उन स्त्रियों के शरीर पर एक कपड़ा नहीं डाला। यह सही है कि दो निर्वस्त्र स्त्रियां वीडियो में दिख रही हैं लेकिन असल में नंगे वे सैकड़ों लोग थे, जो उस भीड़ का हिस्सा थे। वे जीते जागते लोग थे लेकिन उनकी आत्मा मर चुकी थी। सोचें, उस समय उन स्त्रियों का मन कैसे चीत्कार रहा होगा? क्या वे धरती फट जाने की कामना कर रही होंगी या पूरी सृष्टि के नष्ट हो जाने की प्रार्थना कर रही होंगी? घटनास्थल के हजारों मील दूर आज जिन लोगों का सचमुच कलेजा फट रहा है वे भी उन महिलाओं की वास्तविक पीड़ा का अंदाजा नहीं लगा सकते हैं। यह पाप हम सब पर भारी है, सब इस पाप के भागीदार हैं, कोई क्षमा का हकदार नहीं है। मणिपुर जैसे पूर्वोत्तर राज्य भारत माता के माथे की शोभा है। इनका लहूलुहान स्वरूप पूरे भारत को भीतर से पीड़ा पहुंचाता है इसलिए संसद से लेकर सड़क तक मणिपुर में संविधान का शासन स्थापित करने के प्रयास होने चाहिए। इसके लिए बहुत जरूरी है कि संसद में सभी काम रोककर पूरी बहस कराई जाये जिससे मणिपुर की जनता को यह सन्देश जाये कि उनके इस दुख में पूरा भारत और इसका हर राजनैतिक दल शामिल है। दुख की घड़ियों में हमारे लोकतन्त्र की यह परंपरा रही है कि सभी राजनैतिक दल राजनीति छोड़ कर केवल लोगों की बात करते हैं। गांधी बाबा हमें यही पढ़ा कर गये हैं जिनके सिद्धान्तों को आज पूरी दुनिया अपना रही है।

मंथन

पौधारोपण से पहले संरक्षण व सुरक्षा का इंतजाम जरूरी

डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल
मोबाइल-9413179329

मानसून के इस मौसम में देश-भर में लाखों पौधे उत्साह व उमंग के साथ लगाये जाते है, यह प्रतिदिन विविध मीडिया माध्यमों से हमारे सामने आता रहता है। लेकिन इन लाखों पौधों में से कितने पौधे पेड़ बन पाते है, यह विचारणीय प्रश्न है। सोशल वर्कर व पर्यावरण हितेशी, मित्र सुमित जागीड़ ने इस विषय पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पौधे लगाने से अधिक उनके संरक्षण पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। सचमुच! आज पेड़ लगाना आसान सी बात हो गई है। जन्मदिन, शादीसालगिरह, विवाह, पुण्यतिथि आदि अनेक अवसरों पर पेड़ लगाने की एक स्वस्थ परम्परा का श्रीगणेश हो चुका है। लेकिन अब सामने प्रश्न यह उभरता है कि आखिर लगाये जाने वाले पेड़ो का संरक्षण कितना हो रहा है। प्रायः यह देखा गया है कि पौधे लगाकर, फोटो खिचवानें के बाद पेड़ों के संरक्षण की ओर हमारा बहुत कम ध्यान जाता है, जबकि जरूरी है कि हम पेड़ लगाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण पर भी ध्यान दें तो प्रतिवर्ष लगाये जाने वाले पौधों को पेड़ बनते हुए देख सकते है।

बढती जनसंख्या के साथ प्राकृतिक संसाधन धीरे-धीरे कम होते जा रहे है जो चिंता का विषय भी बनता जा रहा है। जल, जमीन व जंगल बचना जरूरी है, नहीं तो मानव जीवन पर संकट में आ सकता है। आज पर्यावरण की समस्या पूरे विश्व स्तर पर फैल रही है। प्रकृति के असंतुलन के पीछे अति-दोहन ही है। पर्यावरण शुद्धि के लिए वृक्षों का भण्डार होना जरूरी है। सही मायने में यह पृथ्वी का श्रृंगार भी है। पेड़ हमें प्राण वायु देते है, जिससे ऑक्सीजन की पूर्ति होती है। पेड़ों के महत्व का हमें अध्ययन के साथ बचपन से ही पढाया जाता है। पेड़ों पर पक्षियों का निवास होता है, जो प्रकृति के जरूरी है। इसी प्रकार जलवायु पर नियंत्रण, सुन्दरता व शोभार, इंधन, फल-फूल, बाढ पर नियंत्रण, इमारती लकड़ी का खजाना, पर्यावरण पर नियंत्रण, रेगिस्तान के प्रसार पर नियंत्रण, कृषि उपज में वृद्धि, पथिकों को छाया, बंजर भूमि में सुधार, पर्यटन, रोजगार, औषधियां, कच्चा माल, जलस्तर में वृद्धि, राष्ट्रीय आय में वृद्धि आदि अनेक लाभ पेड़ों के माध्यम से हमें मिलता रहता है। इसलिए जीवन में एक व्यक्ति को एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। पेड़-पौधों के बिना धरती पर जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है। पेड़ पृथ्वी के तापमान को संतुलित रखते हैं। पृथ्वी पर जीवन के संरक्षण के लिए पेड़ों का संरक्षण करना बहुत जरूरी है। आज हम लोग छोटे-छोटे स्वार्थों की पूर्ति के लिए पेड़-पौधों की कटाई कर देते हैं। इससे हमारा पर्यावरण प्रदुषित हो रहा है। पर्यावरण में बढ़ते प्रदूषण से मानव समाज में विभिन्न बिमारियां फैल रही हैं। पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने की आवश्यकता है। पेड़ पौधों की कमी के कारण वातावरण में लगातार बढ़ गर्मी घातक होती जा रही है। बरसात कम होने का कारण भी पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ही है।

दुख तब होता है जब पर्यावरण व प्रकृति के इस सामंजस्य को असंतुलित करने का प्रयास किया जाता है। आधुनिकता व भौतिकता के नाम पर वृक्षों को बेवजह काटकर जंगलों को नष्ट कर और धन कमाने की अंधी-लालसा, विकास या अन्य बहानों के साथ जगंल को उजाड़ा जा रहा है। प्राकृतिक आपदाओं की मुख्य वजह भी यही है कि हमने प्रकृति के मूल स्वरूप के साथ छेड़छाड प्रारम्भ कर दी है। परिणाम स्वरूप मानव जीवन खतरे के कगार पर खड़ा है, अनेक बिमारियों के साथ हमारा मानसिक, सामाजिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम प्रकृति और प्रकृति द्वारा दी जाने वाली सुरक्षा के प्रति गंभीर बनें और पेड़ लगाने और उनके संरक्षण के प्रति जागरूक बने। अभी भी समय है कि मानव जीवन की रक्षा के लिए प्राथमिकता के साथ पेड़ लगाने एवं उनके संरक्षण के लिए लग जाना चाहिए।

चिंतन

नौकरीशाही पर सत्तापक्षी होने का आरोप

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

लोकतंत्र के प्रमुख स्तंभों में से एक कार्यपालिका लगातार प्रश्नों के घेरों में रहती रही है, आजादी के अमृतकाल में भी कार्यपालिका के भ्रष्ट, लापरवाह एवं गैरजिम्मेदार होना नये भारत-सशक्त भारत की सबसे बड़ी बाधा है। नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार की आए दिन आने वाली खबरें यही बताती हैं कि केंद्रीय एजेंसियां डाल-डाल हैं तो भ्रष्टता का जाल पात-पात। विडम्बना तो यह है कि नेतृत्व करने वाली ताकतें भ्रष्टाचार में लिप्त है। मद्रास हाईकोर्ट की हाल ही में की गयी टिप्पणी नौकरशाहों की उस प्रवृत्ति को उजागर करने वाली है जिसमें वे सत्ताधारी दलों का पिछल्लगू बनकर काम करते हैं। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एके पलानीस्वामी के खिलाफ हाईवे निविदा के मामले में नए सिरे से जांच के सरकार के आदेश को रद्द करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान लागू होने के 73 साल बाद कड़वी हकीकत यह है कि कार्यपालिका ने अपनी स्वतंत्रता लगभग खो दी है। इतना ही नहीं, वह सत्ताधारी राजनीतिक दल के आदेशों को क्रियान्वित करने वाला औजार बन गया है।

सत्ता बदलाव के साथ ही कार्यपालिका की कार्यप्रणाली में बदलाव का यह उदाहरण अकेला नहीं है। कमोबेश सभी राज्यों में यह देखने में आता है कि सरकारी कार्यालयों में बदले की भावना से पूर्व सरकारों के कामकाज से जुड़े मामलों की जांच की फाइलें फिर से खंगालने का काम शुरु हो जाता है। न्यायपालिका की यह टिप्पणी जाहिर करती है कि सरकारें मौके-बेमौके अपने विरोधियों को सबक सिखाने के लिए जांच एजेंसियों का हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं। नौकरशाही को यों तो विधायिका की आंख, नाक व कान की संज्ञा दी जाती है। लेकिन हकीकत यह है कि सत्ता में बैठे लोग कार्यपालिका से जो काम कराना चाहते हैं उसी फाइल पर पंख लगते हैं। भले ही वह काम जायज हो या नाजायज। ऐसे में कार्यपालिका से जुड़े ज्यादातर लोग सरकारों के राजनीतिक एजेंडे के अनुरूप काम करने लगते हैं। राष्ट्र के संचालन, सुरक्षा, कानून और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कार्यपालिका महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं जबकि नियमों की पालना व आम जनता को सुविधा देने में अफसरशाही ने लाल फीतों की बाधाएं बना रखी हैं। प्रशासकों की चादर इतनी मैली है कि लोगों ने उसका रंग ही काला मान लिया है। अगर कहीं कोई एक प्रतिशत ईमानदारी दिखती है तो आश्चर्य होता है कि यह कौन है? पर हल्दी की एक गांठ लेकर थोक व्यापार नहीं किया जा सकता है। नौकरशाह की सोच बन गई है कि सरकारी तनख्वाह तो केवल टेबल-कुर्सी पर बैठने के लिए मिलती है, काम के लिए तो और चाहिए। इसके लिये वे सत्ताधारी नेताओं एवं मंत्रियों के इशारों पर नाचते हैं।

भले ही खुद भाजपा सरकार प्रश्नों से घिरी हो, फिर भी निश्चित ही वर्तमान सरकार के प्रयासों एवं नीतियों से प्रशासनिक क्षेत्र जागा है, भ्रष्टाचार कम हुआ है, जिम्मेदारी का अहसास सरकारी कामों में गति के साथ निष्पक्षता ला रहा है। सरकार में अब कर्मचारियों के कामकाज के नियमित मूल्यांकन पर भी विचार चल रहा है। प्रशासनिक सुधार की जरूरत महसूस करते हुए उसे दक्ष, जिम्मेदारी एवं समयबद्ध करने की आवश्यकता लंबे समय से रेखांकित की जाती रही है।

इससे भी ज्यादा जरूरी है प्रशासन को भ्रष्टाचारमुक्त बनाने की। इसके लिए गठित समितियां और आयोग अनेक मौकों पर अपने सुझाव पेश कर चुके हैं। उनमें से कुछ को लागू भी किया गया, पर प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों से जैसी दक्षता, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, समयबद्धता और जवाबदेही की अपेक्षा की जाती रही है, वह पूरी नहीं हो पा रही है, यह एक गंभीर चुनौती एवं त्रासद स्थिति है। अधिकारियों-कर्मचारियों में जब तक इन गुणों का अभाव बना रहेगा, तब तक भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन असंभव है, आम नागरिकों को परेशानियों से मुक्ति नहीं मिलेगी एवं सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों में अपेक्षित गति नहीं आ पाएगी। इसी क्रम में प्रशासनिक अधिकारियों की दक्षता विकास करने के लिए राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता विकास कार्यक्रम, मिशन कर्मयोगी की शुरूआत की गई है। इसके तहत लोकसेवा के चयनित अधिकारियों को उनके कामकाज में दक्ष बनाने का प्रयास किया जाएगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अवार्ड

केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार को असम के गुवाहाटी में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा आयोजित अलंकरण समारोह 2023 में अधिकारियों और कर्मचारियों को सेवा के विशेष विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र और पदक प्रदान करती हैं।

खरगे का विवेक व उनका हास-परिहास सताते हुए मौसम को भी बदल देता है: धनखड़

नई दिल्ली/भाषा

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को उच्च सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को उनके 81वें जन्मदिन पर बधाई दी और कहा कि उनके विवेक व हास-परिहास का अंदाज सताते हुए मौसम को भी बदल देता है।

कर्नाटक के दलित परिवार में जन्मे खरगे एक साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं। वह करीब ढाई दशक बाद पहले ऐसे कांग्रेस अध्यक्ष बने जो गांधी परिवार से नहीं हैं। उन्होंने पार्टी में तथा अपने गृह राज्य और केंद्र में सरकारों में कई पदों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

खरगे के राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए धनखड़ ने कहा, ''उनकी बुद्धि व उनके हास-परिहास के अंदाज को सदन ने भी देखा है और मैंने इसे निजी रूप में भी महसूस किया है। खरगे जी के विवेक व हास-परिहास का अंदाज सताते हुए मौसम को भी बदल देता है।

हालांकि खरगे इस दौरान सदन में मौजूद नहीं थे। सभापति ने बताया कि खरगे ने बृहस्पतिवार को अपने गृह राज्य कर्नाटक के लिए रवाना होने से पहले उनसे उनके कक्ष मुलाकात की थी।

कास्टकॉन में शामिल प्रतिभागियों ने कहा, अमेरिका के जाति-विरोधी कदम हिंदुओं को प्रताड़ित करते हैं

वाशिंगटन/भाषा

जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ अमेरिका में उठाए गए हालिया विधाई कदम देश में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोगों को प्रताड़ित करने और उनका मनोबल गिराने का प्रयास हैं। जाति पर अपने तरह के पहले सम्मेलन 'कास्टकॉन' में शामिल प्रतिभागियों ने यह आरोप लगाया।

कैलिफोर्निया के फ्रेमॉन्ट शहर में पिछले रविवार को आयोजित 'कास्टकॉन' में सिलिकॉन वैली सहित अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में आए भारतीय-अमेरिकियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कैलिफोर्निया सहित अन्य अमेरिकी प्रांतों में जाति के संबंध में उठाए गये विधाई कदमों पर चर्चा की।

प्रतिभागियों ने आरोप लगाया कि कानून को पहचान स्थापित करने के आक्रामक उपाय के तौर पर इस्तेमाल कर अप्रवासी आबादी को राज्य स्तर पर लक्षित किया जा रहा है।

वहीं, आयोजकों ने कहा कि कास्टकॉन-2023 के आयोजन का मूल उद्देश्य अमेरिकी समाज में जाति व्यवस्था लागू करने की कोशिशों पर लगाम लगाना है, जो एक विध्वंसक सामाजिक संरचना है, जिसकी शुरुआत भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक युग के दौरान हुई थी।

आयोजकों की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह कदम न केवल अमेरिकी कानून के लिए अनुचित और अनावश्यक माना जाता है, बल्कि सामुदायिक एकजुटता को कमजोर करने और भावी पीढ़ियों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने की भी क्षमता रखता है।

ब्रिटेन के एक हिंदू नेता सतीश के शर्मा ने कास्टकॉन को संबोधित करते हुए कहा, मैं यह देखकर दुखी हूं कि आज के कैलिफोर्निया में हिंदुओं के साथ किस तरह का अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, सिर्फ इसलिए कि वे हिंदू हैं। इस तरह के व्यवहार को पूरी तरह से अनुचित और दमनकारी माना जाता है।

एक अन्य हिंदू नेता, कैलिफोर्निया के ऋषि कुमार ने कहा, मैं कैलिफोर्निया के एक डेमोक्रेट नेता, सिलिकॉन वैली से संसदीय सीट के एक उम्मीदवार और कैलिफोर्नियन डेमोक्रेटिक पार्टी के कार्यकारी बोर्ड के पूर्व सदस्य के रूप में सैकरामेंटो के जाति बिल 'एसबी 403' का विरोध करता हूं।

उन्होंने कहा, अमेरिका में जाति विनियमन के संबंध में कोई ऐतिहासिक या कानूनी मिसाल नहीं है। यह अनावश्यक बिल विभाजन को बढ़ावा देता है और इससे हिंदूफोबिया और एशियाई समुदाय के खिलाफ घृणा अपराधों में वृद्धि होगी।

नारेबाजी

नयी दिल्ली में शुक्रवार को मणिपुर में महिलाओं और बच्चों पर हो रहे हमलों के विरोध में और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर विभिन्न वामपंथी संगठनों के सदस्यों ने प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी की।

पाकिस्तान की 18 वर्ष की क्रिकेटर आयशा नसीम ने मजहबी कारणों से क्रिकेट छोड़ा

कराची/भाषा

एक समय महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने उन्हें काफी प्रतिभाशाली करार दिया था लेकिन पाकिस्तान की 18 वर्ष की उसी क्रिकेटर आयशा नसीम ने इस्लाम की सेवा के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

आक्रामक बल्लेबाज आयशा ने उस उम्र में खेल से नाता तोड़ा जब अधिकांश खिलाड़ी कैरियर की शुरूआत करते हैं। पाकिस्तानी महिला टीम की कप्तान निदा दार और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें मनाने की काफी कोशिशें की जो नाकाम रहीं। बोर्ड के एक सूत्र ने पुष्टि की कि आयशा ने पीसीबी को फरवरी मार्च में ही सूचित कर दिया था कि वह क्रिकेट खेलना छोड़ चुकी है।

सूत्र ने कहा ,''उसे ट्रेनिंग शिविर के लिए बुलाया गया था लेकिन उसने बोर्ड से कहा कि वह क्रिकेट खेलना नहीं चाहती।

उन्होंने कहा कि आयशा ने साफ तौर पर कहा कि यह उसका निजी फैसला है और वह इस्लाम के सिद्धांतों के हिसाब से अपनी जिंदगी जीना चाहती है। सूत्र ने कहा ,''निदा दार और कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने उसे मनाने की कोशिश की कि वह खेलते हुए भी अच्छी मुसलमान बनी रह सकती है लेकिन आयशा ने अपने फैसले पर पुनर्विचार से इनकार कर दिया।

आज होगा 'अफसर बिटिया' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई/वार्ता

बाबा मोशन पिक्चर्स प्रा.लि. कृत एवं प्रदीप के शर्मा प्रस्तुत अनीता शर्मा निर्मित फिल्म अफसर बिटिया का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर जानकारी भोजपुरी सिनेमा पर 22 जुलाई को होगा। 22 जुलाई को शाम 7 बजे से अफसर बिटिया का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर भोजपुरी सिनेमा पर होगा। इस फिल्म में कुणाल सिंह, श्रुति राव और आकाश सिंह यादव का जलवा देखने को मिलेगा। अफसर बिटिया महिला प्रधान फिल्म है और यह बेटियों की शिक्षा और उसके पिता के उस सपने पर आधारित है, जो चाहता है कि उसकी बिटिया पढ़ लिख कर अफसर बने। लेकिन गरीबी और मुफलिसी में उस पिता के मन मस्तिष्क पर बेटी को अच्छे जगह पर न पढ़ा पाने की मजबूरी से क्या बीतती है, वह इस फिल्म में बखूबी दिखाया गया है। फिल्म अफसर बिटिया में के निर्देशक राकेश त्रिपाठी, कन्हैया एस विश्वकर्मा हैं। कथा, पटकथा, संवाद राकेश त्रिपाठी ने लिखा है। गीतकार कवि प्यारेलाल यादव, सत्या सावरकर एवं धरम हिन्दुस्तानी, संगीतकार मधुकर आनंद, डीओपी विजय मंडल हैं। संकलन कोमल वर्मा, नृत्य कानू मुखर्जी, कला रामबाबू ठाकुर का है।

तापसी पन्नू ने एनएफटी प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू ने तापसी क्लब डॉट कॉम नामक अपना खुद का नॉन-फंगिबल टोकन (एनएफटी) प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। तापसी पन्नू ने कहा, आज की भागदौड़ भरी इस दुनिया में, हम जो कंटेंट शेयर करते हैं उसे अलग करना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है, जिससे वह ऐसे लोगों तक पहुंचे जो सही मायने में अभिनेताओं में दिलचस्पी रखते हैं और उनकी कोशिशों का समर्थन करते हैं। यह बिना पहचान वाले ट्रोलर्स को सच्चे फैन्स से अलग करने में मदद करता है।मैंने खास तौर पर सच्चे फैन्स के लिए एनएफटी को लॉन्च करने का फैसला लिया है, जिससे उन्हें मुझे निजी तौर पर और करीब से जानने का मौका मिलेगा। मेरा लक्ष्य अपने एनएफटी मेंबर्स के लिए सोशल मीडिया के अनुभव को बेहद खास बनाना है, जो मेरी सार्वजनिक उपस्थिति से अलग हो।

तापसी पन्नू ने कहा, मुझे दिल खोल कर अपनी बात कहना और लोगों के साथ बातचीत करना बड़ा अच्छा लगता है, और मुझे लगता है कि सोशल मीडिया अपनी भावनाओं को जाहिर करने के लिहाज से काफी घातक है। ऐसे करीबी लोगों की एक कम्युनिटी आपके लिए हमेशा फायदेमंद होती है, जो तहे दिल से आपका भला चाहते हैं निजी तौर पर आपकी तरक्की में योगदान देते हैं।

विवेक ओबेरॉय के साथ 1.55 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साथ तीन लोगों ने कथित रूप से 1.55 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। आरोपियों ने एक कार्यक्रम और फिल्म निर्माण कंपनी में निवेश करने पर अच्छा रिटर्न मिलने का वादा कर अभिनेता से निवेश करने को कहा, लेकिन रकम का उपयोग खुद के लिए किया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह मामला बुधवार को प्रकाश में आया, जब ओबेरॉय के 'चार्टर्ड अकाउंटेंट' ने तीन लोगों के खिलाफ अंधेरी पूर्व के एमआईडीसी थाने में शिकायत दायर की। शिकायत के मुताबिक, एक फिल्म निर्माता सहित तीनों आरोपी, अभिनेता के कारोबारी साझेदार थे और उन्होंने (आरोपियों ने) ओबेरॉय से एक कार्यक्रम एवं फिल्म निर्माण कंपनी में रुपये निवेश करने के लिए कहा था।

फिल्म 'अक्षरा' में काम करेंगी अक्षरा सिंह

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री अक्षरा सिंह , रत्नाकर कुमार निर्मित फिल्म अक्षरा में काम करती नजर आयेंगी। वर्ल्ड वाइड के मालिक और निर्माता रत्नकार कुमार और कुलदीप श्रीवास्तव, अक्षरा सिंह को लेकर फिल्म अक्षरा बना रहे हैं।निर्माता रत्नाकर कुमार ने कहा कि अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से आती हैं, जिनका नाम लेकर भी फिल्म बनायी जा सकती है। फिल्म की कहानी अक्षरा सिंह से मिलती-जुलती है। इसलिए फिल्म का नाम अक्षरा है और फिल्म में वही लीड कैरेक्टर को प्ले भी कर रही हैं। अक्षरा सिंह के साथ हमने बहुत काम किया है लेकिन यह फिल्म अलग है और मुझे लगता है कि अक्षरा ये डिजर्व करते हैं। यह बड़े बजट की फिल्म है। हमलोग इसका निर्माण भव्यता के साथ कर रहे हैं।

वहीं, अक्षरा सिंह ने फिल्म को लेकर कहा कि यह एक सम्मान की बात है कि मेरे नाम से कोई फिल्म बन रही है और उस फिल्म का हिस्सा मैं भी हूँ। इसके लिए रत्नाकर कुमार और कुलदीप श्रीवास्तव को शुक्रिया कहूँगी। उन्होंने कहा कि जहां तक फिल्म की बात है तो इस फिल्म की कहानी से खुद को रिलेट कर पा रही हूँ। मुझे लगता है यह मेरी लाइफ की सबसे बड़ी और बेहतरीन फिल्मों में से एक होने वाली है। इसलिए मैं इसको लेकर एक्साईटेड हूँ। देव पाण्डेय के निर्देशन में हमलोग एक यादगार फिल्म करने जा रहे हैं।

एक महिला सब कुछ अकेले नहीं संभाल सकती : काजोल

नई दिल्ली। वेब-सीरीज 'द ट्रायल' में अभिनेत्री काजोल का किरदार 'नोयोनिका' हर महिला को अपेक्षाओं से गुजरने का उदाहरण देता है, जो जीवन को संतुलित करने में आने वाली चुनौतियों से मेल खाता है। आज के समाज में महिलाओं पर अक्सर भारी सामाजिक दबाव डालकर कई भूमिकाओं में उत्कृष्टता हासिल करने की उम्मीद रखी जाती है। महिलाओं को हमेशा पालन-पोषण करने वाली मां और समर्पित साझेदार बनने से लेकर अपने करियर में सफलता हासिल करने और घरेलू जिम्मेदारियों को निभाते हुए पाया गया है। सीरीज में 'नोयोनिका' की यात्रा इन महिलाओं के अनुभव को दर्शाती है। इस बारे में बात करते हुए काजोल ने कहा, नोयोनिका के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि हर महिला खुद को उससे पहचानती है। जीवन के हर बिंदु पर महिलाओं को अच्छी मां, एक अच्छी पत्नी और अच्छा इंसान बनने की भूमिकाओं को पूरी तरह से निभाना सिखाया जाता है। काजोल ने कहा,यही वह पल था जहां नोयोनिका को लगा कि वह हर चीज में परफेक्ट है और उसी समय उसकी दुनिया ढह गई। तब उसे एहसास हुआ कि वह हर चीज में अच्छी नहीं हो सकती, वह एक अच्छी पत्नी, एक अच्छी मां नहीं बन सकती। जब उसे लगता है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने आगे कहा कि नोयोनिका की यात्रा हम सभी महिलाओं की तरह गुजरती है। उन्होंने कहा, महिला होने के नाते हम जिस चीज से जूझ रहे हैं, कुछ को यह जीवन में थोड़ा पहले आ जाती है और कुछ को थोड़ी देर में। गंभीर कोर्टरूम ड्रामा, 'द ट्रायल - प्यार, कानून, धोखा' में शीबा चड्ढा, जिशु सेनगुप्ता, अली खान, कुब्रा सैत और गौरव पांडे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। बनिजय एशिया द्वारा निर्मित, सुपर्ण एस वर्मा द्वारा निर्देशित यह सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग हो रही है।

अभिनेता का काम ध्यान आकर्षित करना नहीं, बल्कि अपने किरदार में डूब जाना है : विजय वर्मा

नयी दिल्ली/भाषा

अभिनेता विजय वर्मा ने कहा कि एक कलाकार के रूप में वह केवल ध्यान आकर्षित करने में यकीन नहीं रखते, बल्कि उन्हें अपने किरदारों में डूब जाना पसंद है और 'डार्लिंग्स' में एक अत्याचारी पति या फिर 'दहाड़' में शांत सौम्य शिक्षक की छवि के पीछे छिपे एक सीरियल किलर की उनकी भूमिका इस बात का प्रमाण है। वर्मा ने प्राइम वीडियो पर आयी ''दहाड़'' में सीरियल किलर की भूमिका के बारे में कहा, ''मैं ध्यान आकर्षित करने की कोशिश में यकीन नहीं रखता। मुझे लगता है कि यह किसी कलाकार का काम नहीं है। मैंने देखा कि मुझे एक आम इंसान के तौर पर उसकी भूमिका निभानी है। अगर मैं सामान्य से हटकर कुछ करता तो फिर मेरे आसपास के किरदार बेवकूफ दिखायी देते, जैसे कि वे कैसे नहीं देख पाए कि यह आदमी ठीक नहीं है?'' अभिनेता ने कहा, ''उसे लोगों को मूर्ख बनाने में माहिर होना था और वह जानता था कि साधारण परिदृश्य में इसे कैसे छिपाना है। अभिनय का पटकथा से मिलान होना चाहिए था।'' उन्होंने कहा कि उनके लिए किसी भी फिल्म या सीरीज में काम करने का सबसे बड़ा पैमाना उसकी पटकथा होती है। उन्होंने कहा, ''मैं अपने आप को दोहरा नहीं सकता। मैं खुश हूं कि मेरे पास एक माध्यम है, एक दर्शक वर्ग है। जब तक लोग मुझे देखना चाहेंगे, मैं अच्छा काम करते रहना चाहता हूं।'' पुणे के भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) से स्नातक वर्मा ने अभिनय की तुलना खेलों से करते हुए कहा कि क्रिकेट या फुटबॉल में जब किसी महान खिलाड़ी को देखते हो तो ऐसा लगता है कि वे जो कर रहे हैं उसमें उन्हें आनंद आ रहा है। उन्होंने कहा कि इसी तरह वह अभिनय से आनंद उठाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वह तेजाब हमले की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी की कहानी वाली अपनी अगली वेब सीरीज ''काल कूट'' में एक सकारात्मक किरदार निभा रहे हैं। यह 27 जुलाई को जियोसिनेमा पर प्रसारित होगी। हैदराबाद के मारवाड़ी परिवार में पले-बढ़े वर्मा ने कहा कि उन्होंने कई चीजें करने की कोशिश की लेकिन उन्हें कहीं न कहीं लगता था कि वह अभिनय के लिए ही बने हुए हैं। वह बचपन में फिल्मों से ज्यादा कॉमिक किताबें पढ़ना ज्यादा पसंद करते थे। उन्होंने पुणे में एफटीआईआई में चयन होने के बाद ही फिल्में देखना शुरू किया। उससे पहले वह एक कॉल सेंटर में काम करते थे। उन्होंने मॉडलिंग में भी हाथ आजमाया था। ''कालकूट'' के अलावा वर्मा ''मिर्जापुर'' के तीसरे सीजन, होमी अदजानिया की फिल्म ''मर्डर मुबारक'' और सुजॉय घोष के निर्देशन वाली ''डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स'' फिल्म में दिखायी देंगे।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा माहेश्वरी भवन में श्रावण पुरुषोत्तम मास के अवसर पर सप्तदिवसीय श्री शिव महापुराण कथा के चौथे दिन कथावाचक देवी हेमलताजी शास्त्री ने कहा कि कुछ भी करने के शक्ति की आवश्यकता होती है।

चरण स्पर्श करना हमारी सनातन संस्कृति की पहचान : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी मंदिर संघ मामुलपेट के तत्वावधान में राजेन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि चरण स्पर्श करने का महत्व समझाते हुए कहा कि ये सनातन भारत की संस्कृति है जिसे आज दुनिया अपना रही और हम छोड़ रहे है। चरण छूना कोई पुराने जमाने का होने की पहचान नहीं आशीर्वाद पाने का माध्यम है। सुबह उठकर माता-पिता व सास-ससुर सहित बड़ों के चरण स्पर्श अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंटरनेट के जमाने में पोस्टकार्ड वाले बन जाओ लेकिन कुछ चीजों की सुरक्षा भी जरूरी है। गृहस्थों से संत श्रेष्ठ होते है लेकिन कुछ ऐसे भी श्रावक होते है जो संत से भी श्रेष्ठ होते है। धर्म का निवास स्थान सरलता है और सरल हृदय में धर्म का वास होता है। हमारे शास्त्रों में आशीर्वाद कैसे बढ़े ये बताते है। ज्ञान, दर्शन, तप, चरित्र, निर्लोभता युक्त जीवन रहे ऐसा आशीर्वाद देने वाली गाथाएं है। मनुष्य जन्म मूल है और लाभ देवगति है। मूल ही खत्म हो गया तो नरक व तिर्यंच गति में जाना होता है। धर्म विशुद्ध दया के अंदर है।

साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि जेब से अमीर रहो न रहो कोई बात नहीं पर मन से जरूर अमीर रहना क्योंकि मंदिरों मे कलश भले ही सोने स्वर्ण के लगे हों पर हमें नतमस्तक उन पत्थर की सीढ़ियों पर ही होना होता है। नेमीचंद वेदमुथा ने बताया कि बियासणा के लाभार्थी बाबुलाल भबुतमल सवाणी परिवार का ट्रस्ट की ओर से सम्मान किया गया।

शक्ति स्वरूपा देवी ही पूरे संसार का संचालन करती है : हेमलता शास्त्री

शिव महापुराण कथा में कार्तिकेय व भगवान गणेश का हुआ जन्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा माहेश्वरी भवन में श्रावण पुरुषोत्तम मास के अवसर पर सप्तदिवसीय श्री शिव महापुराण कथा के चौथे दिन कथावाचक देवी हेमलताजी शास्त्री ने कहा कि कुछ भी करने के शक्ति की आवश्यकता होती है। आराधना करते है तो प्राणों की शक्ति की आवश्यकता होती है और इस संसार में एक शक्ति स्वरूपा देवी ही पूरे संसार का संचालन करती है। शक्ति के साथ शिव को जोड़ने से सभी ओर जागृति व हरियाली छा जाती है। सुख और दुख कुछ नहीं है, दोनों अनुभव है। कथा हमें स्वभाव बदलना सिखाती है। भगवान शिव की कथा कल्याण होने के लिए होती है। दोष कही बाहर नहीं अपितु हमारे अंदर ही है यदि हम स्वयं को बदल सकते है तो सुख की प्राप्ति हो सकती है। फलदार वृक्ष छुका हुआ रहता है यानी जो कुछ देने वाला होता है वो छुका रहता है।

कथा में कथावाचन ने ताड़कासुर वध, कार्तिकेय व भगवान गणेश के जन्म की कथा सुनाई। उन्होंने सोलह संस्कार के महत्त्व को बताया। मोह को अवगुण बताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे जीवन के निर्माण में संस्कार और शिक्षा का बहुत महत्त्व होता है। कथा प्रारम्भ होने से पहले विजयलक्ष्मी चन्द्रमोहन सारड़ा, सुलोचना सुरेश जाजू ने व्यास पीठ पोथी की पूजा की। भगवान कार्तिकेय व गणेश प्राकट्य उत्सव की झांकी सजाई गई। भगवान गणेश के रूप मे नील लाहोटी ने वेशभूषा धारण की।भगवान की आरती प्रकाश मून्दडा, कमला बूब , पुष्पा सारड़ा, शोभा भूतड़ा ने की। संचालन शिल्पा लड्ढा ने किया। धन्यवाद वृंदा बागड़ी ने दिया।

'धर्म के प्रति युवाओं को जागृत होना होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि भारत देश युवाओं का देश है। अगर युवा ही वर्तमान दौर के इस माहौल में देश-समाज-संस्कृति और धर्म संस्कार एवं वैचारिक व आचरणीय मुद्दों के लिए संकल्पित हो। जनकल्याण यानी जनहित या फिर धर्मसंस्कृति अथवा सामाजिक तौर पर जो बातें घुसपेठ कर रही है या कर चुकी है। उन्हें रोकने की बाहर कर देने की आवश्यकता है। युवाधन को इन चुनौतियों से निपट का संकल्प जरूरी लग रहा है। भारत देश के हर किसी समाज के युवाओं की भूमिका पावनतम प्रतिज्ञा के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इस बात को लेकर कटिबद्ध होना चाहिए। युवाओं को चाहिए कि धर्म की पवित्रता का ध्यान रखे और भविष्य में ऐसे स्थानों पर कोई भी आयोजन न करे जहां मांसाहार व मद्यपान किया जाता हो। युवाओं के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है, युवा ही समाज को नई दिशा दे सकते हैं।

स्थानकवासी युवाओं ने स्कूल में बांटी पाठ्य सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानकवासी जैन युवा संगठन की ओर से लश्कर मोहल्ला के धोडपेटे स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री, पानी की बोतल तथा थैला दिया गया।

इस मौके पर उपस्थित उत्तर मैसूरु बीईओ कृष्णकुमार ने संगठन के सेवा कार्यो की सराहना की। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य रविश एचडी, उपप्रधानाचार्य विश्वनाथ के साथ संगठन के पूर्व अध्यक्ष राजन बाघमार व मनोहर सांखला, अध्यक्ष राकेश बांठिया, उपाध्यक्ष नवरतन दरला, सचिव किरण सालेचा, सहसचिव दिनेश पीपाड़ा, कोषाध्यक्ष विकास दरला, स्कूल प्रोजेक्ट चेयरमैन अभिषेक सिंघवी व भरत पटवा आदि उपस्थित थे।

'यह संसार स्वार्थी है, सतर्क रहें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि 84 लाख जीवयोनियों मे भटकते हुए मानव जीवन में हमें सुदेव और सुगुरु की पहचान हुई है और उनके माध्यम से ही हमें संसार की आसारता का ज्ञान प्राप्त हुआ है । ऐसे ही सुदेव और गुरु द्वारा हमें सही मार्ग दर्शन मिल रहा है। संसार को असार कहने वालों में छोटे-बड़े, धनी-निर्धन और ज्ञानी-अज्ञानी सभी हैं। जो दूसरों को असार कह कर स्वयं उसमें यदि सार मानता है

वह लौकिक व्यक्तियों के बीच में भले ही ज्ञानी माना जाये, किन्तु जब स्वयं को बोध होता है तो पश्चाताप के अलावा कुछ हाथ नहीं लगता। संसार को असार घोषित करने वाला उसी में सार ढूंढ़े तो पागलपन ही माना जायेगा। जिस वस्तु का असार के रूप में वास्तविक ज्ञान या अनुभव हो जाता है उसके प्रति कोई आकर्षण नहीं रह जाता है। इस संसार के सभी लोग आपस में अपनी स्वार्थ की पूर्ति के लिए जुड़े हैं। जिस प्रकार गन्ने का रस निकल जाने के बाद गन्ने का कुछ मतलब नहीं रहता है, उसी प्रकार स्वार्थ की पूर्ति होने के बाद लोग अलग हो जाते हैं। यह संसार हमें जो सुपर फाइन लग रहा है, वह हमें दुर्गति में ले जाने वाला एक्सप्रेस हाईवे है। फिर भी हम इस संसार में रहकर धर्म आराधना करके, तीर्थंकर प्रभु की स्तुति भक्ति करके भवतारी बन सकते हैं। यह जानकारी जयंतीलाल श्री श्रीमाल ने दी

भक्तों के वश में होते हैं भगवान : कथावाचक राधाकिशोरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रीराम नाम प्रचार समिति द्वारा तुमकूर रोड स्थित श्रीराम मंदिर में आयोजित नानीबाई के मायरे में श्रीधाम वृंदावन से आई राधाकिशोरीजी के मुखारविंद से 'नानीबाई रो मायरो' कथा की शुरूआत हुई। कथा के पहले दिन राधाकिशोरीजी ने कहा कि यह भक्त और भगवान की पावन कथा है जिसके माध्यम से हम सभी परमात्मा की भक्ति का प्रमाण जा सकते हैं। भगवान की कृपा से भक्तमाल कथा का भी श्रवण कर रहे हैं। भगवान स्वयं अपने भक्तों की कथा को श्रवण करने के लिए आते हैं, इसलिए इस कथा की बड़ी महिमा है। कथावाचक राधाकिशोरीजी ने नानीबाई की कथा सुनाते हुए कहा कि नानीबाई के पिता नरसीजी का जन्म गुजरात जूनागढ़ में हुआ तथा वे भगवान शिव के अनन्य भक्त थे।

भोले बाबा की कृपा हुई तो उन्हें वाणी मिली तथा भगवान शंकर के इष्ट भगवान राधा कृष्ण का दर्शन प्राप्त हुआ। राधाकिशोरीजी ने कहा कि भगवान हमेशा भक्तों के वश में होते है । जो व्यक्ति अपना सर्वस्य प्रभु के चरणों में समर्पित कर उनमें लीन हो जाता है उनकी रक्षा व कल्याण स्वयं भगवान ही करते है। भक्तों की कथा सुनने से श्रवणकर्ता के जीवन में परिवर्तन आता है तथा पुण्य की प्राप्ति होती है।

जैन मिशन अस्पताल को रोटरी इंदिरानगर और लीबेरर जर्मनी कम्पनी देगी सी. टी. स्कैन मशीन

जैन मिशन ट्रस्ट ने किया टीम का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कबलापुर। रोटरी बेंगलूरु इंदिरानगर और लीबेरर जर्मनी की एक टीम ने गुरुवार को चिक्कबलापुर स्थित जैन मिशन अस्पताल का दौरा किया तथा गत दो वर्षों की गतिविधियों की जानकारी ली। टीम का नेतृत्व लीबेरर मशीन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के माइकल शूस्टर और घनश्याम अग्रवाल ने किया। जैन मिशन अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. नरपत सोलंकी ने जेएमटी के ट्रस्टियों ने सभी अतिथि पदाधिकारियों को अस्पताल का दौरा करवाया तथा अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन की आवश्यकता व्यक्त करते हुए आमंत्रित टीम से सीटी स्कैन मशीन को प्रायोजित करने का निवेदन किया।

रोटरी इंदिरानगर के अध्यक्ष बालकृष्ण, पीयूष जैन, कृष्ण मेनन, सुरेश हरि, अजित राय, पीएम भंसाली ने अस्पताल के निवेदन को ध्यान में रखते हुए लीबेरर मशीन टूल्स के साथ मिलकर सीटी स्कैन मशीन को सीएसआर पहल के तहत प्रायोजित करने की घोषणा की। इसके अलावा वे 7 डायलेसिस मशीन व उसकी अन्य सामग्री भी उपलब्ध करवाएंगे। पहले भी रोटरी इंदिरानगर ने आईसीयू और इमरजेंसी यूनिट के लिए उपकरण दान किए हैं। टीम ने खुशी जताई की अस्पताल क्षेत्र के निम्न आय वर्ग के लोगों के इलाज के लिए बहुत अच्छा कार्य कर रहा है । उन्होंने भविष्य में भी सीएसआर गतिविधियों के तहत जैन मिशन अस्पताल को समर्थन देने की बात कही।

डॉ. नरपत सोलंकी ने पूरी टीम को धन्यवाद दिया और नेत्र विभाग के उन्नयन और मुफ्त मोतियाबिंद सर्जरी के लिए समर्थन देने का निवेदन किया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सुरेश जैन, सचिव उत्तमचन्द जैन, रमेश बम्बोली, एलसी भंडारी, पारस कोठारी, कांतिलाल चौपड़ा, किरण सिंघवी, शांतिलाल गोटावत, राकेश कोठारी, महेन्द्र चौहान आदि ने टीम का सम्मान किया।

'स्वार्थ हृदय को संकीर्ण व प्रेम हृदय को विशाल बनाता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ जयनगर के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वीश्री संस्कारनिधिश्रीजी ने ''क्या मैं स्वार्थी हूं' इस विषय पर कहा कि स्वार्थ हृदय को संकीर्ण बनाता है, स्वकेंद्रित बनाता है और प्रेम हृदय को विशाल एवं सर्वकेंद्रित बनाता है।स्वार्थ के पोषण द्वारा व्यक्ति कुछ

समय के लिए सुखी बन सकता है लेकिन आगे जाकर वह दुखी ही बनता है। स्वार्थ हमें किसी को सहयोग देने से एवं सेवा करने से वंचित रखता है, स्वार्थ हमें सहन करने एवं साहस करने से भी दूर रखता है। इसके कारण मनुष्य 'मैं और मेरा' की भावना में ही रहता है। आइए हम सब स्वार्थ मुक्त बनकर पदार्थ त्यागे ताकि गगन में हम विचरण कर सके।

गरिमा प्रोजेक्ट के अंतर्गत स्कूली छात्राओं को बांटे सेनेटरी नेपकिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर की ओर से शुक्रवार को गरिमा प्रोजेक्ट के अंतर्गत केआर रोड स्थित सरकारी वाणी विलास बालिका स्कूल में 200 बालिकाओं को सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। इस अवसर पर योगा प्रशिक्षिका शिल्पा ने बालिकाओं को योग से होने वाले फायदे बताए। महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अनुपमा द्वारा बालिकाओं को किशोर अवस्था में होने वाले शारीरिक बदलाव के बारे में जागरूक किया गया।

इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के प्रदेश अध्यक्ष सुशील तलेसरा, महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु की अध्यक्ष भारती तलेसरा(छाजेड़), परियोजना संयोजक अंजलि जैन, उपाध्यक्ष नीलम ललवानी, कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, मंत्री विजयराज सिसोदिया, सहमंत्री अशोक छाजेड़, लालचंद, राजेश कुमार, अशोक गांधी, आशीष बाफना, प्रतापसिंह, कंचन जैन, राजकुमारी चंदावत आदि ने सेनेटरी नेपकीन का वितरण किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com